मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 152
सोमवार, 16 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का खात्मा कर देगी केंद्र सरकार: अमित शाह

रायपुर, 15 दिसम्बर। शाह ने नक्सलियों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति की भी सराहना की और उनसे हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा, 'राज्य नेतृत्व, मुख्यमंत्री, राज्य के गृह मंत्री ने संकल्प लिया है और भारत सरकार भी आपके संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है। हम सब मिलकर 31 मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म कर देंगे। हम सब 31 मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के चंगुल से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नक्सलवाद को खत्म करना राज्य पुलिस का संकल्प है।

शाह ने कहा कि राष्ट्रपति कलर अवार्ड सिर्फ एक पुरस्कार नहीं है, यह सेवा, समर्पण और बलिदान का प्रतीक है और यह पुलिस को जिन अनगिनत चुनौतियों से निपटना है, उनकी याद दिलाता है। गृह मंत्री ने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगी और अपने कर्तव्य से कभी पीछे नहीं हटेगी।

शाह ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि कल से छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान अपनी वर्दी पर यह प्रतीक चिन्ह लगाकर निकलेंगे तब उनका मनोबल कई गुना बढ़ जाएगा।' उन्होंने कहा,

'छत्तीसगढ़ पुलिस ने पिछले एक साल में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।राज्य में पिछले एक साल में 287 नक्सलियों को मार गिराया गया, करीब एक हजार को गिरफ्तार किया गया और 837 ने आत्मसमर्पण किया, जो नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में आई तेजी को दशार्ता है। राज्य में पिछले एक साल में (नक्सलियों के) 14 शीर्ष कैडर को मार गिराया गया।'

शाह ने कहा कि चार दशकों में पहली बार नक्सली हिंसा में नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौत की संख्या 100 से कम हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 10 वर्षों में पूरे देश में नक्सलवाद पर अंकुश लगा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों की (उससे पहले के 10 सालों का) तुलनात्मक विश्लेषण दिखाता है कि माओवादी हिंसा में सुरक्षाकर्मियों की मौत में 73 प्रतिशत और नागरिकों की मौत में 70 प्रतिशत की गिरावट आई है।शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस देश के विभिन्न सुरक्षा बलों के साथ मिलकर नक्सलवाद के ताबूत में आखिरी कील ठोकने की तैयारी कर चुकी है। केंद्रीय मंत्री ने नक्सलियों से हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील भी की। उन्होंने कहा, 'मैं नक्सलियों से अपील करना चाहूंगा कि राज्य सरकार ने बहुत अच्छी आत्मसमर्पण नीति बनाई है, इसलिए उन्हें हिंसा छोड़ देनी चाहिए। उन्हें मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए, विकास के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए और छत्तीसगढ़ के विकास में भी योगदान देना चाहिए।'

शाह ने कहा कि राज्य सरकार आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को अच्छा पैकेज दे रही है और उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस संगठित अपराध और मादक पदार्थों के खिलाफ भी मजबूत अभियान चला रही है।

भारत स्वतंत्र, समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध: सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने क्षेत्रीय स्थिरता और स्वतंत्र, खुले एवं समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। सेना प्रमुख ने जापान में आयोजित थल सेना शिखर सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

शिखर सम्मेलन में जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, फिलीपीन और दक्षिण कोरिया सहित कई देशों के सेना प्रमुख और वरिष्ठ जनरल ने भाग लिया।

अपने संबोधन में जनरल द्विवेदी ने हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सुरक्षा और रणनीतिक परिप्रेक्ष्य को रेखांकित किया और बहुराष्ट्रीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और स्वतंत्र, खुले एवं समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए इसके प्रयास को भी रेखांकित किया। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां बढ़ने को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच उन्होंने यह टिप्पणी की।

महायुति कैबिनेट का विस्तार, 39 विधायक बने मंत्री

नागपुर, 15 दिसम्बर। महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को महायुति मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। इस दौरान 39 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार की मौजूदगी में विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गयी। बताया जा रहा है कि आज रात तक विभागों की सूची भी घोषित कर दी जाएगी।

भाजपा के इन विधायकों ने ली शपथः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले, राधाकृष्ण विखे पाटिल, चंद्रकांत पाटिल, गिरीश महाजन, गणेश नाइक,

मंगलप्रभात लोढ़ा, जयकुमार रावल, पंकजा मुंडे, अतुल सावे, अशोक उइके, आशीष शेलार, शिवेंद्रसिंह भोसले, जयकुमार गोरे, संजय सावकरे, नितेश राणे, आकाश फुंडकर, माधुरी मिसाल, पंकज भोयर और मेघना बोर्डिकर ने मंत्री पद की शपथ ली।**शिवसेना के इन विधायकों ने ली शपथः** शिवसेना के गुलाबराव पाटिल, दादा भुसे, संजय राठौड़, उदय सामंत, शंभूराज देसाई, संजय शिरसाट, प्रताप सरनाईक, भरत गोगावले, प्रकाश अबितकर, आशीष जायसवाल और योगेश कदम ने मंत्री पद की शपथ ली।राकांपा के इन विधायकों ने ली शपथः राकांपा के हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे, दत्तात्रेय भरणे, अदिति तटकरे, माणिकराव कोकाटे, नरहरि झिरवाल, मकरंद जाधव, बाबासाहेब पाटिल और इंद्रनील नाइक ने मंत्री पद की शपथ ली।

भाजपा और उसके सहयोगी विज्ञापनों पर जनता का पैसा खर्च कर रहे: तेजस्वी यादव

पटना, 15 दिसम्बर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा के इस दावे पर कटाक्ष किया कि एक देश, एक चुनाव से चुनावी खर्च में कमी आएगी और साथ ही भाजपा एवं उसके सहयोगियों पर विज्ञापनों पर जनता का पैसा खर्च करने का आरोप लगाया।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग से राज्य का आगामी विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराने की मांग की, जैसा पहले भी होता रहा है। दरभंगा में प्रेसवार्ता के दौरान जब पत्रकारों ने राजद नेता से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक के बारे में पूछा तो उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, मौजूदा स्वरूप में चुनाव कराने में क्या समस्या है?

जब उनसे कहा गया कि केंद्र की भाजपा सरकार का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने से इस पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, तो तेजस्वी ने पलटवार करते हुए कहा, और विज्ञापनों का क्या? भाजपा को प्रचार पसंद है। उन्होंने आरोप लगाया, बिहार जैसे गरीब राज्य में भी सरकार विज्ञापनों पर पैसे लुटाती है। जरा पता लगाइए कि राजग ने 20 साल पहले राज्य में सत्ता में आने के बाद से लेकर और केंद्र में अपने 11 साल के शासन के दौरान प्रचार पर कितना पैसा खर्च किया है। तेजस्वी ने कहा, बिहार में एक ही चरण में चुनाव होना चाहिए क्योंकि पहले भी ऐसा ही होता था। निर्वाचन आयोग को इसमें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए क्योंकि बिहार के साथ किसी दूसरे राज्य में चुनाव नहीं होना है।

तमंचा लेकर न्यायालय परिसर में घुसा व्यक्ति, 11 पुलिसकर्मी निलंबित

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में कथित तौर पर हत्या के इरादे से तमंचा लेकर एक अभियुक्त के न्यायालय परिसर में घुसने के बाद 11 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को जिला न्यायालय के गेट नंबर एक पर 6 और गेट नंबर तीन पर 5 पुलिसकर्मी तैनात थे, इस दौरान अभियुक्त हर्षित चिंकारा की गैंगस्टर अधिनियम के तहत पेशी होनी थी।उन्होंने बताया कि हर्षित अदालत के बाहर टहल रहा था, तभी उसकी हत्या के इरादे से आए एक युवक ने 315 बोर का तमंचा निकाल लिया, लेकिन उसे हमला करने से पहले ही दबोच लिया गया। झा ने बताया कि आरोपी 22 वर्षीय रिपुल को गिरफ्तार कर लिया गया।

पराली जलाने के लिए व्यवस्थित समाधान की आवश्यकता है: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर। उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने शनिवार को पराली जलाने से निपटने के लिए एक व्यवस्थित समाधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ह्यहमारी लापरवाही लोगों के जीवन को खतरे में डालती है।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी हर साल पराली जलाने से उत्पन्न खतरनाक पर्यावरणीय परिस्थितियों से पीड़ित होती है।

उन्होंने कहा कि समाज को नवाचार को अपनाना चाहिए और इसे व्यक्तियों पर छोड़ने के बजाय एक व्यवस्थित समाधान की तलाश करनी चाहिए। धनखड़ ने कहा, तंत्र को परिपक्व होना चाहिए... हमारी लापरवाही हमें कई तरह से खतरे में डाल रही है।

एक तो हमारा स्वास्थ्य। दूसरा, काम के घंटों का नुकसान। तीसरा, सामान्य जीवन में व्यवधान और चौथा, हमें अपने बच्चों का ख्याल रखना होगा।

उन्होंने पराली जलाने के लिए एक व्यवस्थित समाधान खोजने का आह्वान किया और कहा कि इसे व्यक्तियों पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन जैसी खतरनाक समस्या सामाजिक बाधाओं को मिटा देती है। अमीर या गरीब, शहरी या ग्रामीण। हमें एक साथ काम करना चाहिए, या हम एक साथ नष्ट हो जाएंगे।

लोकाचार और पारंपरिक ज्ञान का उल्लेख करते हुए धनखड़ ने कहा, हमारा सभ्यतागत ज्ञान एक विरासत है, और मैं कहूंगा कि एक तरह से इस जलवायु आपातकाल के लिए उत्तरजीविता मैनुअल, विश्वकोश है। हमारे पास हजारों वर्षों के सभ्यतागत लोकाचार, हमारे वेद, पुराण, हमारे महाकाव्य महाभारत, रामायण और गीता का ज्ञान है। यदि हम उस सोने की खान को देखें, तो हमें वास्तविक प्रेरणा मिलती है कि संरक्षण हमेशा एक महत्वपूर्ण कारक रहा है, जीवन का एक पहलू रहा है।

विश्व हिन्दू परिषद् : कल आज और कल

इलाहाबाद कभी न केवल कांग्रेस बल्कि समाजवादी व आर एस एस व विश्व हिन्दू परिषद् के भी वरिष्ठ व राष्ट्रीय स्तर के नेताओं का गढ़ हुआ करता था। नेहरू-गाँधी परिवार की तो यह कर्मस्थली थी ही इसके अतिरिक्त पुरषोत्तम दस टंडन,मदन मोहन मालवीय जैसी अनेक विभूतियाँ भी इसी शहर से सम्बद्ध रहीं। इसी तरह दक्षिणपंथी विचारधारा के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख रहे राजेंद्र सिंह उर्फ़ रज्जू भैय्या का नाम भी इलाहाबाद से ही जुड़ा हुआ है। ऐसा ही एक नाम था जस्टिस शिव नाथ काटजू का जोकि 1980 के दशक में विहिप के अध्यक्ष भी चुने गये थे। जस्टिस काटजू ने अयोध्या में विवादित बाबरी मस्जिद की जगह पर राम मंदिर के निर्माण के लिए शुरुआती अभियान चलाया था। और इसी दौरान उन्हें नजरबंद भी कर दिया गया था। चूँकि मेरी भी औपचारिक शिक्षा इलाहाबाद में ही हुई इसलिये उस दौर के अनेक विशिष्ट जनों के साथ संबंध रखने का भी सौभाग्य मिला। जस्टिस काटजू भी उन्हीं में एक थे जिनके पास अक्सर मेरा आना जाना रहता था। जस्टिस काटजू विहिप के अध्यक्ष तो जरूर थे परन्तु वे पूर्णतयः धर्मनिरपेक्ष थे। इस्लामी इतिहास का भी उन्हें जबरदस्त ज्ञान था। शिया-सुन्नी विवाद और करबला की घटना जैसे विषयों पर तो वे अक्सर मेरे साथ बातें किया करते और मेरा ज्ञान वर्धन किया करते थे।

बात 1977-78 की है उस दौरान मैं इलाहाबाद के मुहल्ला दरियाबाद के इमामबाड़ा सलवात अली खान नामक एक ट्रस्ट से परिवारिक रूप से जुड़ा हुआ था। यहाँ अनेक धार्मिक आयोजन हुआ करते हैं। इन्हीं में एक चालीसवें का जुलूस (मुहर्रम के चालीस दिन बाद) भी इसी इमामबाड़े से निकला जाता है। इसी जगह से निकलने वाले चालीसवें के जुलूस का प्रारंभिक संबोधन करने के लिये जब मैंने जस्टिस काटजू से निवेदन किया तो वे ख़ुशी ख़ुशी तैयार हो गये। हालांकि उन्होंने अयोध्या में मंदिर के निर्माण के लिए शुरू हुये विहिप आंदोलन तथा दरियाबाद की घनी मुस्लिम आबादी को भी रेखांकित किया। परन्तु मेरे संपूर्ण सुरक्षा व शांतिपूर्ण आयोजन के आश्वासन के बाद वे कार्यक्रम से पूर्व स्वयं अपनी एम्बेसडर कार चलाकर बिल्कुल अकेले ही दरियाबाद पधारे। यहाँ दरियाबाद चौराहे पर मौजूद मेरे साथियों ने उनका स्वागत किया व पूरे सम्मान के साथ उन्हें इमामबाड़ा सलवात अली खान लेकर गये। यहाँ मौजूद समूह के बीच जस्टिस काटजू ने करबला की घटना का ज़िक्र करते हुये न केवल अपनी तरफ से बल्कि विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष होने की हैसियत से विहिप की तरफ से भी हजरत इमाम हुसैन व करबला के शहीदों को बड़े ही भावपूर्ण शब्दों में श्रद्धांजलि अर्पित की। शेरवानी,टोपी और चूड़ीदार पैजामा इनका परिधान प्रायः धारण करने वाले काटजू साहब सभी धर्मों का पूरा ज्ञान रखते थे तथा उन्हें सम्मान भी देते थे। विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष होने के बावजूद सभी धर्मों में परस्पर मेल जोल व सद्भाव के पक्षधर थे। उन्हें उर्दू अरबी फ़ारसी का भी पूरा ज्ञान था।

यह था उस दौर के विश्व हिंदू परिषद का वह चेहरा जिससे भारत का गैर हिन्दू समाज कभी भयभीत नहीं होता था। उसके बाद जबसे गुजरात को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की प्रयोगशाला कहा जाने लगा तब से इसी विश्व हिंदू परिषद ने खुलकर इस्लाम व अल्पसंख्यकों के प्रति अपनी आक्रामकता दिखानी शुरू कर दी। इसी विश्व हिंदू परिषद् में बजरंग दल नामक एक और संगठन तैयार हो गया जो समय समय पर आक्रमक होते नजर आया। आज पूरे देश में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल पर अनेक आपराधिक मुकद्दमे चल रहे हैं। इसी विश्व हिंदू परिषद ने योजनाबद्ध तरीके से गुजरात से शुरू कर कोरोनाकाल के दौरान देश के कई राज्यों में मुस्लिम दुकानदारों के प्रति नफरत फैलाकर उनसे सब्ज़ी फल व अन्य सामान खरीदने के लिये हिन्दू समाज के लोगों को मना किया। सीधे शब्दों में मुस्लिमों का व्यवसायिक बहिष्कार करने की कोशिश की गयी। इसी विहिप ने 'बेटी बचाओ बहू लाओ' नामक एक अभियान भी चलाया जिसके अंतर्गत किसी हिन्दू लड़की के मुस्लिम लड़के से प्रेम संबंध होने की स्थिति में उस रिश्ते में दख़ल देना तथा वह अंतर्धार्मिक सम्बन्ध परवान न चढ़ने देना है। जबकि साथ ही हिन्दू लड़कों को इस बात के लिये आमादा करना है कि वे मुस्लिम लड़कियों से दोस्ती कर उनको बहू बनाकर लाएं। गुजरात सहित और भी कई राज्यों से ऐसी खबरें भी आती रही हैं जबकि विहिप के लोगों ने किसी मुस्लिम को किराये पर मकान लेने या उनके फ़्लैट में भी कब्ज़ा लेने व उनके रहने का विरोध किया। कई जगहों पर विश्व हिंदू परिषद के लोग मुस्लिमों की मॉब लिंचिंग करने वालों का साथ देते यहाँ तक कि उनके समर्थन में सड़कों पर उतरते,उग्र होते व हत्यारों को सम्मानित करते नजर आये।

आज का विश्व हिंदू परिषद तो पूरी तरह से अपने उन बुनियादी सिद्धांतों से दूर होता नजर आ रहा है जिसे लेकर हिंदू राष्ट्रवाद पर आधारित इस भारतीय दक्षिणपंथी हिंदू संगठन की स्थापना 1964 में की गयी थी। उस समय इसका घोषित उद्देश्य ₹हिंदू समाज को संगठित व मजबूत करना और हिंदू धर्म की सेवा और सुरक्षा करना₹ था न कि किसी अन्य धर्म के विरुद्ध आक्रामक होना या भारतीय लोगों में अफवाहबाजी के द्वारा नफरत हिंसा व विद्वेष भड़काना और किसी भारतीय नागरिक को दूसरे दर्जे का नागरिक समझना। न ही किसी की मस्जिद मजार गिराना व अन्य धर्मों की ध्वजा उतारकर अपनी धर्मध्वजा लहराना। न ही इस तरह के अभियान चलाना। परन्तु इससे भी आगे बढ़कर आज का विश्व हिन्दू परिषद तो गोया संविधान विरोधी संवाद को भी हवा देने वाला एक मंच बन चुका है। इनदिनों इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर यादव द्वारा दिया गया एक 'असंवैधानिक भाषण ' जो कि गत 8 दिसम्बर को इलाहाबाद हाई कोर्ट के लाइब्रेरी हॉल में वीएचपी के विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया था वह न केवल चर्चा में है बल्कि उसी भाषण को लेकर जस्टिस शेखर यादव के विरुद्ध महाभियोग चलाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गयी है। वीएचपी के लीगल सेल के इसी आयोजन में जस्टिस शेखर यादव ने 'समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यता' विषय पर बोलते हुए कहा था कि देश एक है, संविधान एक है तो कानून एक क्यों नहीं है? उन्होंने इसी मंच पर यह भी कहा कि ₹हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार ही देश चलेगा, यही कानून है। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। कानून तो भैय्या बहुसंख्यक से ही चलता है। ₹ जस्टिस यादव के इस बयान के फ़ौरन बाद ही कई नेताओं, वकीलों,पूर्व न्यायाधीशों व बुद्धिजीवियों द्वारा उनके इस बयान की निंदा की गयी उसे असंवैधानिक बताया गया और आखिरकार मामला महाभियोग तक आ पहुंचा। उनके विरुद्ध राज्यसभा के 55 सांसदों ने महाभियोग का प्रस्ताव लाने के लिये राज्य सभा में नोटिस दे दिया। यह भी सवाल उठने लगा कि एक वर्तमान न्यायाधीश का ऐसे कार्यक्रम में शामिल होना उचित भी है अथवा नहीं ? सवाल यह है कि आजका विश्व हिन्दू परिषद् जब संविधान विरोधी वक्तव्यों को अपने मंच से बढ़ावा दे रहा है,धर्म विशेष के विरोध में ही स्वयं को पनपते देख रहा है, हिंदू समाज को संगठित करने उसे मजबूत करने व हिंदू धर्म की सेवा व सुरक्षा के बहाने समाज में नफरत व हिंसा को बढ़ावा देते देते अब संविधान विरोधी विचारों को भी मंच प्रदान कर रहा है, आने वाले कल में वही विश्व हिन्दू परिषद् शिव नाथ काटजू जैसे परिषद् के पूर्व नेताओं के विचारों व उनके स्वभाव व आचरण से कितनी दूर जायेगा और देश को किस स्थिति में ले जायेगा इसका अंदाजा लगाने के लिये किसी और की बातें सुनने की जरुरत नहीं बल्कि खुद शिव नाथ काटजू के होनहार पुत्र व पूर्व जस्टिस मारकंडे काटजू के संघ सम्बन्धी विचारों को सुनकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है। -तनवीर जाफरी

राहुल गांधी को इस बात पर विचार करना चाहिए कि दादी इंदिरा ने सावरकर को देशभक्त क्यों कहा था?

अशोक भाटिया

संसद में संविधान पर बहस के दौरान राहुल गांधी के निशाने पर केंद्र की मोदी सरकार के साथ-साथ वीर सावरकर भी रहे। राहुल ने कहा कि सावरकर मनुस्मृति को मानते थे तो संविधान के बिल्कुल उलट है। सावरकर को संविधान में भारतीयता भी नहीं दिखा था। इस पर शिवसेना (शिंदे) के सांसद श्रीकांत शिंदे ने पूछा कि इंदिरा गांधी सावरकर पर क्या विचार रखती थी? राहुल ने कहा कि मैंने उनसे एक बार यह पूछा था। उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा था कि आंदोलन में सभी लोग जेल गए, लेकिन सावरकर समझौतावादी निकले। राहुल ने आगे कहा कि सावरकर डर कर अंग्रेजों से माफी मांग लिए। बयान के पूर्व राहुल गाँधी कुछ नहीं सोचते । सोचते तो दोबारा वही बातें नहीं दोहराते जो उनके साथी दलों को ही नहीं पचती ।

2022 में राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा निकाली। इसी दौरान राहुल वीर सावरकर पर भी खूब हमलावर दिखे, जिस पर उद्धव ठाकरे की पार्टी ने ऐतराज जताया। सार्वजनिक रूप से संजय राउत ने सावरकर को वीर बताया था। राउत का कहना था कि पूर्वजों के मुद्दे को उठाने से राहुल को बचना चाहिए। उस वक्त दोनों के बीच गठबंधन टूटने की भी चर्चा थी, लेकिन आखिर दोनों के बीच एक समझौता हुआ। कहा जाता है कि इस समझौते की वजह से ही राहुल सावरकर पर कुछ नहीं बोल रहे थे।राहुल पिछले 2 साल से सावरकर के मुद्दे पर चुप थे, लेकिन अब महाराष्ट्र में चुनाव के बाद अचानक से मुखर हो गए हैं।

बहुत समय से राहुल गाँधी और कॉन्ग्रेस पार्टी लगातार वीर विनायक दामोदर सावरकर का अपमान करने में लगी हुई है। मैं माफी नहीं माँगूंगा, मैं सावरकर नहीं हूँ सावरकर मनुस्मृति को मानते थे तो संविधान के बिल्कुल उलट है। सावरकर को संविधान में भारतीयता भी नहीं दिखा था। राहुल गाँधी बार-बार ये डायलॉग बोल रहे हैं और कॉन्ग्रेस पार्टी इसका वीडियो भी शेयर कर रही है। ये अलग बात है कि राफेल से लेकर मोदी सरनेम वाले लोगों को गाली देने तक, राहुल गाँधी अदालतों में माफी माँगते रहे हैं। इतने चुनाव हारने के बावजूद बार-बार एक महान स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया जा रहा है। राहुल दोहराते है कि मैं सावरकर नहीं हूं तो दरअसल में राहुल गाँधी सावरकर बन भी नहीं सकते। जब राहुल गाँधी के दादी के पिता जवाहरलाल नेहरू नहीं बन पाए, तो राहुल गाँधी क्या बनेंगे। जवाहरलाल नेहरू जब नाभा जेल में थे, तब उनके पिता ने न जाने कहाँ-कहाँ पैरवी कर के उन्हें 12 दिनों में ही निकलवा लिया था। जबकि, वीर सावरकर ने 11 वर्षों तक जेल भी नहीं, बल्कि उससे भी खौफनाक कालापानी की सजा भुगती। उनके भाई गणेश भी उसी जेल में थे, लेकिन दोनों की मुलाकात तक नहीं होती थी। भले ही आज सावरकर की देशभक्ति पर आज कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सवाल उठा रहे हैं लेकिन उनकी दादी इंदिरा गांधी ने आज से 42 साल पहले 20 मई 1980 को सावरकर को ₹देश का महान सपूत₹ कहा था। तकरीबन दो साल पहले साल 2018 के अक्टूबर माह की बात है कि जब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और भाजपा आईटी सेल के मुखिया अमित मालवीय वीर सावरकर और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़े एक मसले पर एकराय थी। अमित मालवीय ने एक ट्वीट किया था, जिसमें एक इमेज पोस्ट की गई थी। जिसमें इंदिरा गांधी और वीर सावरकर की तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। इस इमेज में इंदिरा गांधी के वीर सावरकर के बारे में दिया गया बयान दिखाई दे रहा है। जिसमें इंदिरा गांधी ने कहा था कि सावरकर द्वारा ब्रिटिश सरकार की आज्ञा का उल्लंघन करने की हिम्मत करना हमारी आजादी की लड़ाई में अपना अलग ही स्थान रखता है। इस तस्वीर में एक और बात बताई गई कि इंदिरा गांधी ने महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर के योगदान को पहचाना था। उन्होंने साल 1970 में वीर सावरकर के सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया था। इसके साथ पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सावरकर ट्रस्ट में अपने निजी खाते से 11,000 रुपए दान किए थे। इतना ही नहीं इंदिरा गांधी ने साल 1983 में फिल्म डिवीजन को आदेश दिया था कि वह ह्यमहान क्रांतिकारी के जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाएं।'

विचारों से असहमत होते हुए भी कांग्रेस ने अपने पूर्वजों को नमन करने के लिए भारत को पोर्ट ब्लेयर (अंडमान निकोबार) में उमड़ते देखा है । वीर सावरकर से राजनैतिक दल विरोध रख सकते हैं, लेकिन भारत की जनता नहीं। वह जनता सेल्युलर जेल के सामने हजारों की संख्या में सलाम करने के लिए जाती रहती हैं । उस हजारों की संख्या में पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय मनमोहन सिंह जी भी थे, जिन्होंने अंडमान निकोबार के हवाई अड्डे का नाम 2005 में वीर सावरकर कर दिया था। सीधी बात है कि राहुल गाँधी, आप सावरकर बन भी नहीं सकते। भारत के सूचना आयुक्त उदय माहुरकर ने अपनी पुस्तक में बताया है कि कैसे कई स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर से प्रेरित थे। उन्होंने लिखा है कि कैसे वामपंथी बार-बार इस तथ्य को नजरअन्दाज करते हैं कि बलिदानी भगत सिंह वीर सावरकर की पुस्तक 1857 का स्वतंत्रता समर से प्रेरित थे।वीर सावरकर ने सन 1952 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ हुई अपनी एक 12 साल पुरानी मुलाकात का भी जिक्र किया था। नेताजी के बॉम्बे स्थित आवास पर हुई इस बैठक में सावरकर ने उन्हें एक महत्वपूर्ण सलाह दी थी। ये सलाह ये थी कि वैश्विक मंच पर दुश्मन के दुश्मन को दोस्त माना जाए और राष्ट्रमण्डली में कोई भी देश अस्थायी दुश्मन नहीं होता, बस राष्ट्रहित ही स्थायी है। इस मुलाकात के कुछ ही महीनों बाद नेताजी भारत छोड़ कर अंग्रेजों को चकमा देते हुए निकल गए।

सावरकर की सलाह का ही योगदान था कि सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज (INA) का पुनर्गठन किया और उसमें जान फूँकी। भगत सिंह के चाचा अजित सिंह भी अंग्रेजों की सेना में विद्रोह कराने के लिए वीर सावरकर की मदद कर रहे थे। खुद भगत सिंह ने लिखा था कि वीर सावरकर विश्व-बंधुत्व में यकीन रखने वाले बहादुर हैं। उन्होंने अपनी डायरियों में 6 बार वीर सावरकर की पुस्तक हिन्दूपदपादशाही से उद्धरण लिया है। इतिहासकारों के मुताबिक सरदार भगत सिंह वीर सावरकर की राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका से किस कदर प्रभावित थे इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरदार भगत सिंह ने वीर सावरकर द्वारा 1857 के स्?वतंत्रता संग्राम पर लिखी गयी किताब ह्य1857- इंडिपेंडेंस समर ह्य का अंग्रेजी अनुवाद प्रकाशित करवाया था और इसे अन्य क्रांतिकारियों को बांटा भी था।

भगत सिंह के सावरकर के प्रति क्या विचार थे इसका एक उदाहरण कलकत्ता से प्रकाशित होने वाली मतवाला मैगजीन में लिखे उनके लेख में मिलता है।जहाँ 15 नवंबर और 22 नवंबर 1924 को प्रकाशित अंक में सरदार भगत सिंह लिखते हैं कि ₹विश्वप्रेमी वह वीर है जिसे भीषण विप्लववादी, कट्टर अराजकतावादी कहने में हम लोग तनिक भी लज्जा नहीं समझते झ वही वीर सावरकर। विश्वप्रेम की तरंग में आकर घास पर चलते-चलते रुक जाते कि कोमल घास पैरों तले मसली जाएगी।₹ यह लेख सरदार भगत सिंह ने बलवंत सिंह के छद्म नाम से लिखा गया था।

वो कॉन्ग्रेस की ताकतें ही थीं, जिसने वीर सावरकर को महात्मा गाँधी की हत्या में फँसाने की साजिश रची। जबकि वीर सावरकर का स्पष्ट मानना था कि अराजकतावादी गतिविधियों का सहारा लेना विदेशी शत्रु के खिलाफ तो ठीक है, लेकिन अपने ही देश के लोगों के खिलाफ ये रास्ता नहीं आजमाया जा सकता। जिस राष्ट्र के लिए उन्होंने जीवन खपा दिया, उसी देश में उन्हें जेल में ठूँस दिया गया। पहले अंग्रेजों से यातनाएँ मिलीं, फिर नेहरू सरकार में प्रताड़ना। वीर सावरकर इन चीजों से काफी टूट गए थे। उदय माहुरकर ने एक बार बड़ी बात लिखी है कि बाबासाहब भीमराव आंबेडकर ने सावरकर के वकील और हिन्दू महासभा के नेता भपोतकर से दिल्ली में गुप्त मुलाकात कर के कहा था कि उन्हें लगता है कि सावरकर के खिलाफ केस कमजोर है और वो बरी होंगे। उन्होंने मजबूती से मुकदमा लड़ने को प्रेरित किया। आंबेडकर 2 बार अदालत में भी सुनवाई के दौरान पहुँचे, एक बार अपनी पत्नी के साथ।

अब बताइए, क्या राहुल गाँधी कभी वीर सावरकर बन सकते हैं? ऐसा व्यक्ति, जिनसे सुभाष चंद्र बोस सलाह लें। ऐसा व्यक्ति, जिनसे भगत सिंह प्रेरणा लें। ऐसा व्यक्ति, जिनकी सुनवाई में आंबेडकर अपनी पत्नी के साथ पहुँचें। एक ऐसे व्यक्ति, जिनके साथ महात्मा गाँधी वैचारिक बहस करते हों। एक ऐसे व्यक्ति, जिनसे जवाहरलाल नेहरू को प्रधानमंत्री रहते इतना डर लगता है कि उनकी पेंशन रोक देते हैं, उन्हें जेल में डाल दिया जाता है।ज्ञात हो कि चित्रगुप्त ने लाइफ ऑफ बैरिस्टर सावरकरह्न नामक एक किताब लिखी थी, जिसे लफ्ब्ज के लोग पढ़ते थे। हमें ये भी विदित है कि किस तरह महात्मा गाँधी और जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं ने राजगुरु, भगत सिंह और सुखदेव को बचाने की चेहता नहीं की।

जब क्रूर अंग्रेजों ने इन तीनों वीरों को फाँसी पर लटका दिया, तब सावरकर के रत्नागिरी स्थित आवास पर युवा बलिदानियों की याद में काला झंडा लगाया गया था। इससे पहले एक भगवा झंडा उनके घर की पहचान हुआ करता था। वीर स्वरकार ने तीनों बलिदानियों के लिए एक कविता भी लिखी, जो महाराष्ट्र में काफी लोकप्रिय हुआ। 4 महीने बाद श्रद्धानन्द पत्रिका में उन्होंने एक लेख के जरिए इन बलिदानियों को याद किया। आज अक्सर वीर सावरकर को मुस्लिमों से घृणा करने वाला बताया जाता है और कॉन्ग्रेस पार्टी को लगता है कि उन्हें गाली देकर पार्टी को मुस्लिमों के वोट मिल जाएँगे। सबसे बड़ी बात तो ये कि महाराष्ट्र में पार्टी की यूनिट ये सब बर्दाश्त करती है, चाटुकारिता के कारण कोई नेता आवाज नहीं उठाता। काकोरी प्रकरण में बलिदान हुए अशफाकुल्लाह खान की याद में भी वीर सावरकर ने एक लेख लिखा था। ऐसे वीर सावरकर पर राहुल गाँधी कीचड़ उछालते हैं।

आसमान पर थूकने का परिणाम क्या होता है, ये राहुल गाँधी को मालूम होना चाहिए। राहुल गाँधी ये फिर कॉन्ग्रेस पार्टी के किसी नेता में इतनी हैसियत नहीं है कि वीर सावरकर की आलोचना कर सके। महात्मा गाँधी जैसी हस्ती के साथ उनका वाद-विवाद चलता था। अमर क्रांतिकारी उनसे प्रेरणा लेते थे। राहुल गाँधी वीर सावरकर की आलोचना कर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का मजाक बना रहे हैं। सरे आम बलिदानियों का अपमान कर रहे हैं।

संसदीय गरिमा पर अविश्वास

-प्रियंका सौरभ

राज्यसभा में सभापति के खिलाफ विपक्ष खेमे ने अविश्वास प्रस्ताव लाने का नोटिस दिया है। भारतीय संसद के इतिहास में यह पहला मौका होगा, जहां राज्यसभा में किसी सभापति के खिलाफ अविश्वास का नोटिस आया हो। दरअसल, यह मौका इसलिए सामने आया, क्योंकि सभापति के सदन में रुख से सभी विपक्षी दल नाखुश थे। विपक्ष का आरोप है कि सभापति हमेशा सत्तारूढ़ खेमे का पक्ष लेते हैं और विपक्ष की आवाज दबाते हैं। विपक्ष आसन को निष्पक्ष देखना चाहता है, लेकिन पिछली लोकसभा के बाद जब 18वीं लोकसभा में भी राज्यसभा में चीजें नहीं बदलीं तो पिछले सत्र में प्रस्ताव लाने की चर्चा चलाकर विपक्ष ने कोई कड़ा कदम उठाने का संदेश देने की कोशिश की।

-प्रियंका 'सौरभ'

संसद में पीठासीन अधिकारियों की भूमिका तटस्थता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि संसदीय कार्यवाही निष्पक्ष और निष्पक्ष तरीके से संचालित हो। हाल ही में, विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव उठाया, जिसमें उन पर पक्षपात करने का आरोप लगाया गया। यह स्थिति लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अखंडता के लिए प्रमुख नेतृत्व भूमिकाओं में निष्पक्षता बनाए रखने के महत्त्व को उजागर करती है। संसदीय कार्यवाही की तटस्थता बनाए रखने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका बहस में निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। पीठासीन अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि सभी सांसदों को, चाहे वे किसी भी पार्टी से सम्बद्ध हों, बहस में भाग लेने के समान अवसर दिए जाएँ। निर्णयों में निष्पक्षताः अध्यक्ष द्वारा किए गए निर्णय पक्षपातपूर्ण झुकाव के बजाय संसदीय प्रक्रियाओं पर आधारित होने चाहिए। अध्यक्ष को सरकार और विपक्ष के बीच संघर्षों में मध्यस्थता करनी चाहिए, शिष्टाचार बनाए रखते हुए रचनात्मक संवाद के लिए जगह बनानी चाहिए। एक तटस्थ पीठासीन अधिकारी संसद की अखंडता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है, लोकतांत्रिक बहस के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देता है। यदि अध्यक्ष को तटस्थ माना जाता है, तो संसदीय प्रणाली में विश्वास मजबूत होता है, जिससे स्वस्थ लोकतांत्रिक चचाओं को बढ़ावा मिलता है, जैसा कि यू.के. जैसे परिपक्व लोकतंत्रों में देखा जाता है।

संसदीय संस्था की वैधता की रक्षा के लिए पीठासीन अधिकारी को हमेशा निष्पक्षता का प्रदर्शन करना चाहिए। यदि अध्यक्ष को पक्षपाती माना जाता है, तो इससे संसदीय कार्यवाही में विश्वास कम हो सकता है और विधायी प्रक्रिया में जनता का विश्वास कम हो सकता है। अध्यक्ष के कार्यों में पक्षपात की धारणा के परिणामस्वरूप जनता में यह धारणा बन सकती है कि संसद को एक पार्टी के हितों की सेवा के लिए हेरफेर किया जा रहा है। पक्षपातपूर्ण अध्यक्ष संसद के भीतर राजनीतिक विभाजन को बढ़ा सकता है, जिससे सरकार और विपक्ष के बीच संघर्ष बढ़ सकता है। ऐसे परिदृश्य में, सरकार और विपक्ष अध्यक्ष के निर्णयों को चुनौती देने के लिए चरम रणनीति का सहारा ले सकते हैं, जिससे संसद में अधिक शत्रुतापूर्ण और कम उत्पादक वातावरण बन सकता है। अध्यक्ष में कथित पक्षपात संसद की संस्था को ही कमजोर करता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। यदि अध्यक्ष पक्षपातपूर्ण है, तो संसद के भीतर जवाबदेही के तंत्र विफल हो सकते हैं, जिससे अनियंत्रित कार्यकारी शक्ति की अनुमति मिलती है। यदि अध्यक्ष को किसी एक राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करते हुए देखा जाता है, तो इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और राजनीतिक संस्थाओं के प्रति जनता का मोहभंग हो सकता है। पीठासीन अधिकारी की भूमिका के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित करने से निर्णय लेने में निरंतरता और निष्पक्षता बनाए रखने में मदद मिलेगी। यू.के. संसद में, अध्यक्ष एक औपचारिक आचार संहिता का पालन करता है जो तटस्थता सुनिश्चित करता है, पक्षपात पर चिंताओं को दूर करने और संसदीय कार्यवाही में पारदर्शिता को बढ़ावा देने में मदद करता है।

पीठासीन अधिकारियों के लिए लंबे कार्यकाल सुनिश्चित करने से उन्हें अपनी नेतृत्व भूमिकाओं में विश्वास, स्थिरता और तटस्थता बनाने की अनुमति मिल सकती है। जर्मन बुंडेस्टैग अध्यक्ष का निश्चित कार्यकाल दीर्घकालिक नेतृत्व स्थिरता सुनिश्चित करता है, राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान भी पक्षपातपूर्ण निर्णय लेने की धारणा को कम करता है। अध्यक्ष के निर्णयों की समीक्षा करने के लिए स्वतंत्र निरीक्षण तंत्र शुरू करने से अधिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है और पक्षपातपूर्ण कार्रवाइयों को रोका जा सकता है। पीठासीन अधिकारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें संसदीय कार्यवाही की जटिलताओं को निष्पक्ष रूप से संभालने के लिए आवश्यक कौशल से लैस कर सकते हैं। निष्पक्ष निर्णय लेने और संघर्ष समाधान पर केंद्रित नेतृत्व प्रशिक्षण अध्यक्ष को तटस्थता बनाए रखते हुए राजनीतिक दबावों को बेहतर ढंग से नेविगेट करने में मदद कर सकता है। संसदीय समितियों और चचाओं में द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देने से निर्णय लेने के लिए अधिक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा मिल सकता है। संसदीय समितियों के भीतर अंतर-दलीय संवाद और सहयोग को प्रोत्साहित करने से मतभेदों को दूर करने में मदद मिल सकती है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सरकार और विपक्ष के बीच मध्यस्थता में अध्यक्ष तटस्थ रहें।

संसदीय कार्यवाही की तटस्थता सुनिश्चित करने में संसद के पीठासीन अधिकारियों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए, अध्यक्ष के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करना, द्विदलीय सहयोग को बढ़ावा देना और स्पष्ट दिशा-निर्देशों और लंबे कार्यकाल के माध्यम से निष्पक्ष नेतृत्व सुनिश्चित करना आवश्यक है। दरअसल, इसके जरिए विपक्ष कहीं न कहीं संसद के दोनों सदनों में आसन को एक संदेश देना चाह रहा है कि अगर आसन निष्पक्ष नहीं दिखता है तो विपक्ष अपने संवैधानिक अधिकारों को इस्तेमाल करने में नहीं हिचकिचाएगा। पिछले सत्र में लोकसभा स्पीकर को लेकर भी राजनीतिक गलियारे में ऐसी चर्चा थी।

वन नेशन- वन इलेक्शन का ड्राफ्ट देखे बिना विरोध पर उतरी सपा-कांग्रेस

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में अब एक देश एक चुनाव पर राजनीति शुरू हो गई है। बसपा जहां इसका समर्थन कर रही है वहीं कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को एक देश-एक चुनाव की तरफ बढ़ती मोदी सरकार रास नहीं आ रही है। अखिलेश ने तो वन नेशन-वन इलेक्शन के खिलाफ जनमत तैयार करने की बात भी कहना शुरू कर दी है। इसके लिए पार्टी द्वारा गांव-गांव अभियान चलाया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से कहा कि एक देश-एक चुनाव सही मायनों में एक अव्यावहारिक है, क्योंकि कभी-कभी सरकारें अपनी समय अवधि के बीच में भी अस्थिर हो जाती हैं। उस स्थिति में क्या वहां की जनता बिना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के रहेगी? इसके लिए संवैधानिक रूप से चुनी गई सरकारों को बीच में ही भंग करना होगा, जो जनमत का अपमान होगा।मगर सवाल यह है कि क्या अखिलेश ने वन नेशन-वन इलेक्शन के लिये तैयार किया गया ड्राफ्ट पढ़ लिया है या फिर बिना पढ़े ही ऐसी बातें अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हैं। ऐसा इसलिये भी लगता है क्योंकि अखिलेश यादव जो खामियां और समस्याएं गिना रहे हैं उस पर मोदी सरकार ने मंथन नहीं किया होगा,ऐस असंभव है।

सपा प्रमुख तो यहां तक सोचने लगे हैं कि एक देश, एक चुनाव लोकतंत्र के खिलाफ एकतंत्री सोच का बड़ा षड्यंत्र है, जो चाहता है कि एक साथ ही पूरे देश पर कब्जा कर लिया जाए। इससे चुनाव एक दिखावटी प्रक्रिया बनकर रह जाएगी। सपा सूत्रों के मुताबिक इस मामले में अखिलेश यादव ने पार्टी की लाइन स्पष्ट कर दी है। इस मुद्दे को लेकर पार्टी लोगों के बीच जाएगी ताकि भाजपा सरकार पर दबाव बना सके। उधर, यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि एक देश-एक चुनाव के जरिये भाजपा अपनी नाकामी छुपाने की कोशिश में लगी। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र व यूपी सरकार हर मोर्चे पर फेल है। भाजपा का झूठ उजागर हो चुका है। जनता अब इनके झांसे में नहीं आ रही है। ऐसे में एक नया शिगूफा लाया गया है।बता दें कांग्रेस और सपा से इतर बसपा सुप्रीमो मायावती एक देश-एक चुनाव का समर्थन कर चुकी हैं। बीते सितंबर में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा इस प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद उन्होंने कहा था कि इस पर उनकी पार्टी का स्टैंड सकारात्मक है। लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना जरूरी है। माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर बसपा अपने पुराने स्टैंड पर ही कायम रहेगी।

बात बुद्धिजीवियों की कि जाये तो लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता कहते हैं कि पूर्व में कांग्रेस के समय में भी एक देश-एक चुनाव की व्यवस्था को लागू करने के प्रयास किए गए थे। आज भले ही विपक्ष इसे संविधानी ढांचे के विरुद्ध बताए, लेकिन ऐसा है नहीं। विपक्ष यह कह रहा है कि अगर कोई सरकार दो साल बाद गिर जाती है, तो क्या होगा। केंद्र इसके लिए नियमों में संशोधन भी करेगी। इसके लागू होने से विकास कार्य को गति मिलेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के ही प्रो. सौरभ मालवीय का भी कहना है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होने से देश का खर्च और संसाधनों की बचत होगी। साथ ही राजनीतिक पार्टियों को भी कार्य में सुविधा होगी। वर्तमान समय वैज्ञानिक युग का है, ऐसे में कम संसाधन के उपयोग से अधिक लाभ लेना ही प्रगति का सूचक है। अतः एक देश-एक चुनाव जनहित और देशहित में होगा।

अकाली दल की पहेली सुलझने की बजाय और उलझेगी

श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से इस महीने की 2 तारीख को अकाली नेताओं को लगाई गई तनख्वाह के बाद पंजाबियों विशेषकर सिख समूह को लग रहा था कि अब अकाली दल का संकट शीघ्र ही हल हो जाएगा और श्री अकाल तख्त साहिब के आदेश को मानते हुए अकाली दल के दोनों पक्ष एकजुट हो जाएंगे। इस कारण आम सिखों की एक बड़ी गिनती खुशी मना रही थी कि अकाली नेताओं की ओर से श्री अकाल तख्त साहिब की श्रेष्ठता मंजूर करने के साथ सिख समुदाय की महान संस्था का कद और भी ऊंचा हुआ है। मगर इस खुशी पर फैसले से एक दिन बाद ही प्रश्नचिन्ह लग गया जब नारायण सिंह चौड़ा नाम के एक व्यक्ति ने सुखबीर सिंह बादल पर पिस्तौल से हमला करने की कोशिश की और अकाली दल बादल के नेताओं ने सिंह साहिबान के निर्णय के अनुसार 3 दिनों में अकाली नेताओं के इस्तीफे मंजूर करने की कार्रवाई से भी मुख मोड़ लिया।

अकाली दल का संकट तो वास्तव में साल 2015 में शुरू हो गया था जब सिख संगतों की भावनाओं के विपरीत जाकर अकाली दल के नेताओं के दबाव के अधीन श्री अकाल तख्त साहिब के तत्कालीन जत्थेदार ज्ञानी गुरबचन सिंह के नेतृत्व में डेरा सिरसा के प्रमुख को माफी दे दी गई थी। इस माफी का विरोध कर रहे सिख समाज की ओर से दिए जा रहे धरने पर बैठी सिख संगत पर पंजाब पुलिस ने फायरिंग कर दी जिससे 2 नवयुवकों की मृत्यु हो गई। इसके अतिरिक्त उस समय की अकाली दल सरकार के कई निर्णय जिनमें डेरा प्रमुख की फिल्म को सुरक्षा के घेरे में चलाना, कोटकपूरा गोलीकांड और एस.जी.पी.सी. की ओर से डेरा प्रमुख की माफी को उचित ठहराने के लिए करीब 92 लाख रुपए के विज्ञापन देना भी शामिल है।

सिख समुदाय में अकाली दल बादल के प्रति भारी विरोध शुरू हो गया था जिस कारण पिछले 10 वर्षों से अकाली दल को इसका विरोध झेलने के कारण चुनावों में करारी हार का मुंह देखना पड़ा परन्तु लोकसभा के निराशाजनक परिणामों के बाद अकाली दल के नेता पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को पंथ विरोधी लिए गए निर्णयों के लिए जिम्मेदार ठहराने लग पड़े। उन्होंने सुखबीर के इस्तीफे की मांग करने के साथ-साथ अकाली दल के विरोध में अकाली सुधार लहर का गठन कर लिया। जब सुखबीर सिंह बादल और उनके साथियों ने सुधार लहर के नेताओं को कोई प्राथमिकता न दी तो सुधार लहर के नेताओं ने अकाली दल (ब) की ओर से सिख पंथ के हितों के विरुद्ध लिए गए निर्णयों का विरोध न करने के स्थान पर जिम्मेदारी लेते हुए श्री अकाल तख्त साहिब पर शिकायत की कि इन सारी गलतियों के लिए सुखबीर सिंह बादल और उनके साथी जिम्मेदार हैं। इसलिए अकाल तख्त साहिब सुखबीर सिंह बादल, उनके सहयोगी अकाली नेता और शिकायतकर्त्ताओं के विरुद्ध पंथक रहित मयार्दा के अनुसार तनख्वाह लगाए। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए 5 सिंह साहिबानों ने 2 दिसम्बर को सुखबीर सिंह बादल और उनके सहयोगी, सुधार लहर के नेता और तत्कालीन अंतरिम कमेटी एस.जी.पी.सी. को तनख्वाह लगाकर बर्तन मांजने, जूते साफ करने, गुरबाणी सुनने के अतिरिक्त अकाली दल के दोनों पक्षों को इकट्ठे होने, बादल अकाली दल के नेताओं की ओर से दिए गए इस्तीफे 3 दिनों में मंजूर करने और 7 सदस्यीय कमेटी द्वारा नई भर्ती करवाने के बारे में हुकमनामा जारी किया था। श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से अकाली दल (ब) को 3 दिनों में इस्तीफे मंजूर कर रिपोर्ट अकाल तख्त साहिब पर पेश करने और अकाली दल की नई भर्ती शुरू करने के लिए घोषित सात सदस्यीय कमेटी के मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की जबकि सुधार लहर के नेताओं ने श्री अकाल तख्त साहिब के आदेश के अनुसार अपना ढांचा भंग कर दिया है। सुधार लहर की ओर से ढांचा बंद कर देने की कार्रवाई के साथ सिख समुदाय का विश्वास सुधार लहर के नेताओं में बढ़ गया है जबकि सुखबीर सिंह बादल और उनके साथियों ने बेशक अपने किए गए गुनाह मान लिए हैं मगर श्री अकाल तख्त साहिब से जारी हुए राजनीतिक आदेशों पर कोई भी कार्रवाई न करने तथा यह दावा करने की अकाल तख्त की ओर से इस्तीफे मंजूर करने के लिए 20 दिन की मोहलत मिल गई है, के कारण सिख समुदाय में यह प्रभाव जाने लगा है कि अकाली दल (ब) के नेता अकाल तख्त पर पहले जैसा ही दबदबा बना रहे हैं और यह सारी कार्रवाई केवल राजनीतिक फायदा लेने के लिए की जा रही है। सुखबीर पर हमला करने वाले नारायण सिंह चौड़ा के बेटे ने आरोप लगाया है कि शिरोमणि कमेटी के

चांदीवली में विधायक दिलीप लांडे के नेतृत्व में बांग्लादेश के विरोध में भव्य आंदोलन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले कुछ दिनों से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अन्याय और अत्याचार और हिंदू मंदिरों को तोड़े जाने के विरोध में संपूर्ण देश में आंदोलन किया जा रहा रहा है। इसी कड़ी में शिवसेना के प्रमुख नेता पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश पर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अन्याय और अत्याचार के खिलाफ रविवार 15 दिसंबर को चांदीवली विधानसभा में शिवसेना विधायक दिलीप लांडे के नेतृत्व में जोरदार आंदोलन किया गया। बता दें कि बांग्लादेश के विरोध में शिवसेना विधायक दिलीप लांडे की प्रमुख उपस्थिति में साकीनाका जंक्शन स्थित पाइपलाइन जगन्नाथ मंदिर से हिंदू भाई-बहनों की एक भव्य रैली निकाली गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और युवा शिवसैनिकों के साथ ही हिंदू समाज के लोगों ने विरोध रैली में हिस्सा लिया। इस अवसर पर शिवसेना विधानसभा प्रमुख अशोक माटेकर, उपविभाग प्रमुख सागर तुलसकर, राजू पाटिल, पूजा गावड़े, शाखा प्रमुख नितिन गोखले, शैलेश निंबालकर, शिवाजी सूर्यवंशी, नितिन चव्हाण, अजय कांबले, सुशील जाधव, मंगेश सकपाल, बाबू मोरे, महिलाशाखा प्रमुख स्वेता मसुरकर, सीमा कांबले व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान विधायक दिलीप लांडे ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अन्यायपूर्ण अत्याचार और हिंदुओं के मंदिरों के विरोध में शिवसेना प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे के आदेश पर चांदीवली विधानसभा के हिंदू भाई एकजुट होकर आज सड़कों पर उतर आए हैं। पिछले कुछ महीनों से बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है। हिंदू मंदिरों को नष्ट किया जा रहा है। हिंदुओं की इस एकजुटता का बांग्लादेश को पता चले और वहां हिंदुओं पर अत्याचार तुरंत बंद हो। इस रैली में विरोध प्रदर्शन कर बांग्लादेश की कड़े शब्दों में निंदा की गई। बांग्लादेश मुर्दाबाद, हिंदू के सम्मान में दिलीप लांडे मैदान में, जागो जागो हिंदू जागो, जय श्री राम, जय श्री राम और भारत माता की जय के नारे लगाए गए।

वर्षा गायकवाड़ को संसद बनने पर दी गई बधाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गत 2024 उत्तर मध्य जिल्हा मुंबई संसद वर्षा ताई गायकवाड़ विजयी होने पर उनके कार्यालय में लोगों ने शाल व श्रीफल देकर बधाई दी। बधाई देने वालों में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता सुखविंदर सिंह,देवदास मुरांजन सहित कई लोग मौजूद रहे। इस मौके पर संसद ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों के लिए कभी भी किसी भी समय मिलने के लिए मैं हर संभव उपस्थित रहूंगा। आप लोगों की शिकायतों को हर संभव निस्तारण करने का प्रयास करूंगी।

अंधेरी पूर्व के सेवन हिल अस्पताल में पी. एस. फाउंडेशन की ओर से मरीजों को फल का वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पूर्व की जानी मानी सामाजिक जनहित संस्था पीएस फाउंडेशन की ओर से गत दिनों पीएस फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर सेवन हिल अस्पताल में मरीजों को फल बांटा गया। इस अवसर पर फाउंडेशन की उपाध्यक्ष स्वीकृति शर्मा, समाजसेवक उमेश उपाध्याय, अशोक दुबे, नागोराव सूर्यवंशी, सैंडी रावत, सौरभ उपाध्याय और संतोष गौड़ सहित फाउंडेशन के अनेक लोग उपस्थित थे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए फाउंडेशन की उपाध्यक्ष स्वीकृति शर्मा ने बताया कि संस्था पिछले कई सालों से अंधेरी पूर्व विधानसभा की झोपड़पट्टियों में गरीबों और जरूरत मंद लोगों के बीच जनहित का कार्य कर रही है। इसके अलावा संस्था की ओर से यहां की झोपड़पट्टियों में गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान कर रही है। जिसके लिए पीएस फाउंडेशन की एंबुलेंस निरंतर लोगों की सेवा में उपलब्ध है।

विधानसभा चुनाव के बाद शिवसेना शिंदे गुट में पुनः लोगों का प्रवेश शुरू

पालघर(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने पर पालघर विधानसभा में मिली सफलता के बाद एक बार फिर से शिवसेना शिंदे गुट में अन्य पार्टियों के लोगों के प्रवेश का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी सिलसिले के बीच शिवसेना शिंदे गुट में पांचाली ग्राम पंचायत के उबठा के उपसरपंच मिनेश पाटील, पूर्व पंचायत समिति सदस्य और वर्तमान ग्राम पंचायत सदस्य चेतना म्हात्रे के अलावा अन्य ग्राम पंचायत सदस्य व उबाठा पदाधिकारियों ने शिवसेना जिला प्रमुख कुन्दन संखे की उपस्थिति में प्रवेश किया।

बतादें कि शिवसेना शिंदे गुट जिला प्रमुख कुन्दन संखे के नेतृत्व में पिछले कुछ महीनों से शिवसेना पार्टी का संगठनात्मक निर्माण तथा पार्टी प्रवेश का कार्य चल रहा है। पालघर विधानसभा चुनाव की सफलता के बाद अब एक बार फिर से शिवसेना शिंदे गुट में लोग शामिल हो रहे हैं। इसी के साथ आगामी पंचायत समिति और जिला परिषद चुनाव को देखते हुए शिवसेना की मोचेबंदी भी शुरू हो गई है।

भिवंडी कमिश्नरेट के जीएसटी अधिकारियों को मिली बडी सफलता, 24 करोड की धोखाधड़ी करने वाले को किया गिरफ्तार

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी। केंद्रीय जीएसटी भिवंडी कमिश्नरेट के अधिकारियों ने शंकर टी चौधरी नामक एक करदाता को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। बतादें कि शंकर चौधरी नामक व्यक्ति जिसने लगभग 24 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी वाले टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) मामले की साजिश रची थी पिछले काफी दिनों से अधिकारियों को चकमा दे रहा था अधिकारियों को उसे पकडने में सफलता हासिल कर ही लिया और उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। इस करदाता ने आपूर्तिकताओं द्वारा जारी किए गए चालानों पर बिना किसी वास्तविक माल या सेवाओं की आपूर्ति के आधार पर 12.23 करोड़ रुपये का आईटीसी अवैध रूप से प्राप्त किया। इसके अलावा चौधरी ने बिना वास्तविक आपूर्ति के अन्य फर्मों को 11.90 करोड़ रुपये का अवैध आईटीसी जारी कर पास किया। सीजीएसटी अधिकारियों की जांच के दौरान चौधरी ने अपने बयान में इस धोखाधड़ी को स्वीकार किया और केंद्रीय जीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 70 के तहत उसके द्वारा दिए गए बयानों के आधार पर उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर किया। मुंबई के माननीय सीएमएम कोर्ट ने उसे 27.12.2024 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। केंद्रीय जीएसटी विभाग ने इस बात की पुष्टि की है कि वह कर चोरी करने वालों और राष्ट्रीय राजस्व के नुकसान के लिए सिस्टम का गलत उपयोग करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है और उनकी जांच जारी है। अधिकारियों द्वारा दी गयी जानकारी में बताया गया कि इस धोखाधड़ी में शामिल सभी व्यक्तियों और संस्थाओं की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

तारापुर परमाणु उर्जा संयत्र द्वारा माँक ड्रिल का किया गया सफल आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। तारापुर परमाणु उर्जा संयत्र' (टी.ए.पी.एस.) के आसपास किसी भी विषम परिस्थितियों से निपटने को लेकर संयत्र के अधिकारियों और जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्र सरकार के अधिकारियों की उपस्थिति में आपदाओं से निपटने की तैयारी का 'माँक ड्रिल(नकली अभ्यास) का सफलता पूर्वक आयोजन गुरुवार 12 दिसंबर 2024 को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीच जिलाधिकारी पालघर के निदेर्शानुसार किया गया। इस अभ्यास कार्यक्रम में टी.ए.पी.एस., ए.ई.आर.बी., बी.ए.आर.सी.कर्मचारी, एन.डी.आर.एफ., सी.एम.जी.- डी.ई., आर.ई.आर.डी.-डी.ई., एन.पी.सी.आई.एल., एच.क्यू. और इ.एस.एल. तारापुर की देखरेख में पुलिस, वैद्यकीय टीम के साथ तटरक्षक दल, एसडीएमए, महासूल, आरटीओ, नागरिक संरक्षण दल समेत के अन्य विभागों कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। बतादें कि 'माँक ड्रिल(नकली अभ्यास)' का मुख्य उद्देश्य आसपास के क्षेत्रों की भौगोलिक वस्तु स्थिति को जानकारी प्राप्त करने को लेकर रहती है। जिससे समय रहते किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने में तैयारी तथा सजगता किस हद तक सही है।

परिणय सूत्र में बंधे अंजली संग अभिषेक तिवारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। परम पिता परमेश्वर की असीम अनुकम्पा से बोईसर शहर पश्चिम बांबे रेयान ड्रीमवुड निवासी अभिमन्यु कुमार पांडेय की सुपुत्री आयु.अंजली का पाणिग्रहण संस्कार मंगलवार 10 दिसंबर 2024 को शुभ मुहूर्त के मांगलिक बेला पर उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के निवासी प्रमोद तिवारी के सुपुत्र चि. अभिषेक तिवारी के साथ पुरोहित द्वारा श्री गणेश जी का पूजन, स्वस्तिक वाचन के साथ ही साथ पारंपरिक हिंदू धर्म के वैवाहिक रस्मों का निर्वहन करते संपन्न हुआ। इस पावन परिणयोत्सव के अवसर पर वर वधु पक्ष के तमाम इष्ट मित्रों के साथ ही साथ निकट बड़ी संख्या में सगे संबंधी व गणमान्य लोग दांपत्य जीवन में एक दूजे के बनने जा रहे नव विवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने हेतु उपस्थित रहे।

एक भारत, हम भारत' पदयात्रा ने दिया एकता और भाईचारे का संदेश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश में एकता, प्रेम और शांति का संदेश फैलाने के लिए रविवार को महर्षि कर्वे मार्ग, चर्चगेट पर ओवल मैदान के प्रवेश द्वार से 'एक भारत, हम भारत' पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा में 700 से ज्यादा लोग शामिल हुए। सामाजिक-आध्यात्मिक संगठन मैत्रीबोध परिवार की इस पहल का मकसद भारतीय समाज में प्रेम, एकता और भाईचारे की नई रोशनी जगाना था। ओवल मैदान से लेकर आझाद मैदान तक चली इस पदयात्रा में काजल अग्रवाल, अदिति पोहनकर, स्मिता जयकर, आरती नागपाल गणमान्य लोगों ने भाग लिया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखना और 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी 'सारा विश्व एक परिवार है' की भावना को बढ़ावा देना था। इस दौरान, प्रतिभागियों ने पदयात्रा के माध्यम से यह संदेश फैलाया कि हम सभी एकजुट होकर एक मजबूत और खुशहाल समाज बना सकते हैं।

मैत्रीबोध परिवार के प्रवक्ता ने इस अवसर पर कहा कि भारत की असली ताकत उसकी एकता में है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य केवल एकता का संदेश देना नहीं बल्कि यह दिखाना भी है कि प्रेम और भाईचारे से ही हम समाज में समृद्धि और शांति ला सकते हैं।

मैत्रीबोध परिवार 2013 से समाज के आध्यात्मिक और सामाजिक सुधार में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। 'एक भारत, हम भारत' यात्रा उसी का एक हिस्सा है।

यह यात्रा देशभर में भारत की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और उसे विश्व में एकजुटता का प्रतीक बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

सेवानिवृत्त सहायक पुलिस आयुक्त वेंकट पाटिल के उपन्यास 'कोबरा' का प्रकाशन संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सेवानिवृत्त सहायक पुलिस आयुक्त वेंकट पाटिल द्वारा लिखित 'कोबरा' कांदमबरी का प्रकाशन ठाणे के मराठी ग्रंथ संग्रहालय में संपन्न हुआ। ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और वरिष्ठ साहित्यकार लेखक और नाटककार अशोक समेल के सौजन्य से मराठी ग्रंथ संग्रहालय, स्टेशन रोड, ठाणे में पुस्तक का विमोचन संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में बोलते हुए अशोक समेल ने कहा कि पुलिस विभाग में ऐसे सर्जनशील, रचनात्मक लोग बहुत कम हैं।साथ ही डॉ. प्रदीप धवल ने कहा कि पुलिस विभाग का एक अधिकारी इतना अच्छा लिख सकता है यह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि अगर वह जीवनी लिखेंगे तो सरकार उनकी किताब प्रकाशित करेगी। इस दौरान देव देश प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. वैभव देवगिरकर, संधिकाल प्रकाशन के प्रकाशक अरविंद जोशी ने लेखक की सराहना की। नीता माली और बामने ने उपन्यास की समीक्षा की जबकि कार्यक्रम का सूत्र संचालन प्रज्ञा पंडित ने किया।

मुंबई मे हेमंत तिवारी को सम्मानित किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लोकाधिकार सेवा समिति एवं श्री रामलीला उत्सव समिति मुंबई के संयुक्त तत्वावधान मे गत दीनों मे उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ के लगातार 5 वीं बार हेमंत तिवारी को अध्यक्ष चुने जाने पर रविवार को स्वागत समारोह रखा गया। जिसमे समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आर शुक्ल ने अपने समर्थको के साथ मुंबई निवास घाटकोपर स्थित अमृतनगर मे हेमंत तिवारी को शाल गुलदस्ता और संकल्प पत्रिका भेंट कर जोरदार स्वागत किया। नवभारत के स्थानीय संपादक बृजमोहन पांडेय का भी शाल पुष्प गुच्छ संकल्प पत्रिका भेंट कर स्वागत किया गया। पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर हेमंत तिवारी ने कहा कि हम प्रदेश और केंद्र सरकार से पत्रकारों की सुरक्षा, पेंशन तथा कई अन्य विषयों पर मांग की है। इस अवसर पर नवभारत के स्थानीय संपादक बृजमोहन पांडेय,समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आर शुक्ल, श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शुक्ल रिंकू पत्रकार दयाशंकर पांडेय, रामबिलास पाठक, अनिल सिंह, पत्रकार बिनय पाठक, मनिकेश तिवारी,राहुल तिवारी,देवेंद्र प्रताप सिंह, दलजीत पांडेय, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, अवधेश तिवारी,विजय मिश्र,शुभम सिंह, तपस्वी चौरसिया, पत्रकार आदेश मिश्र सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

ईजबज की सहायता से वीटीपी रियल्टी के प्रॉपर्टी बुकिंग कलेक्शन में हुई वृद्धि

मुंबई। फुल-स्टैक पेमेंट सॉल्यूशन प्लेटफॉर्म ईजबज ने वीटीपी रियल्टी को उसके पेमेंट सिस्टम को सुव्यवस्थित बनाने में सहायता दी है जिसके परिणामस्वरूप वीटीपी रियल्टी के प्रॉपर्टी बुकिंग कलेक्शन में 60 फीसदी की बढ़त हुई है। इसके साथ ही 90 फीसदी से अधिक भुगतान सफलता दर भी हासिल हुई है। ईजबज के साथ वीटीपी रियल्टी की साझेदारी ऐसे समय में हुई है जब भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में ग्राहक पूछताछ से लेकर प्रॉपर्टी बुकिंग और भुगतान तक डिजिटलीकरण का जोरदार दौर देखने को मिल रहा है।

ईजबज ने वीटीपी रियल्टी के सेल्सफोर्स सिस्टम के साथ सहज इंटीग्रेशन के जरिए अपने व्यापक भुगतान और सास समाधानों की एक रेंज तक एक्सेस प्रदान किया। ईजीकलेक्ट सुविधा ने बुकिंग, रुचि की अभिव्यक्ति (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट), माइलस्टोन पेमेंट, जीएसटी, स्टाम्प ड्यूटी और क्लबहाउस चार्ज सहित तमाम लेनदेन के लिए होने वाले पेमेंट का परेशानी मुक्त कलेक्शन करने में सहायता दी। इसकी स्वचालित और सुव्यवस्थित भुगतान प्रक्रियाओं ने मैन्युअल हस्तक्षेप को कम किया, मानवीय त्रुटियों को कम किया और परिचालन प्रयासों में 70 प्रतिशत की कमी के साथ समाधान को गति दी।

आंशिक भुगतान सुविधा ने ग्राहकों को आंशिक भुगतान करने की सुविधा दी जिसके परिणामस्वरूप ग्राहक संतुष्टि और जुड़ाव में बढ़त हुई। इसके अलावा, ईजबज ने वीटीपी रियल्टी की 23 प्रोजेक्टों के लिए कस्टमाइज्ड रिपोर्ट भी प्रदान की। विस्तृत विश्लेषण और जानकारी वाली इन रिपोर्टों ने वीटीपी को प्रोजेक्ट की बिक्री और एंड-टू-एंड वित्तीय लेनदेन को बेहतर ढंग से ट्रैक करने में मदद की, जिसके परिणामस्वरूप सटीक वित्तीय निर्णय लेने में मदद मिली।

ईजबज प्लेटफॉर्म ने पीसीआई डीएसएस लेवल-1 अनुपालन के साथ भुगतान लेनदेन के लिए उच्चतम स्तर की सेफ्टी भी प्रदान की। ईजबज के एमडी और सीईओ रोहित प्रसाद ने कहा, वीटीपी रियल्टी के साथ हमारी साझेदारी रियल एस्टेट सेक्टर जैसे जटिल भुगतान सिस्टम को कारगर बनाने के लिए डिजिटल समाधानों की क्षमता को दर्शाती है। इस सेगमेंट को ऐसे अनूठे भुगतान समाधानों की आवश्यकता है जो लचीले भुगतान ढांचे, कस्टमाइज किए जा सकने वाले पेमेंट पेज, ट्रांजेक्शन वाइज निपटान और रियलटाइम सॉल्यूशन के साथ मल्टी एंटिटी रिपोर्टिंग की सुविधा प्रदान करते हों। हमें खुशी है कि हमारे रियल एस्टेट सॉफ़्टवेयर सॉल्यूशन स्टैक ने एम्बेडेड पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर ढांचे के साथ वीटीपी रियल्टी को परिचालन दक्षता बढ़ाने और अपने ग्राहकों के लिए एक सहज और सुरक्षित संपत्ति खरीद सुविधा प्रदान करने में मदद की।

वीटीपी रियल्टी के सीईओ सचिन भंडारी ने कहा, ?हम अपनी भुगतान प्रक्रियाओं में मदद करने और कई परियोजनाओं के लिए कस्टम सेटलमेंट रिपोर्ट की सुविधा प्रदान करने के लिए एक भुगतान भागीदार की तलाश कर रहे थे। ईजीबज टीम ने ईजीकलेक्ट, पार्शियल पे आदि जैसे भुगतान समाधानों की अपनी व्यापक रेंज के साथ हमारी भुगतान प्रक्रियाओं को काफी आसान बना दिया है। हमारे ग्राहक अब सभी भुगतान आसानी से कर सकते हैं, चाहे वह बुकिंग, माइलस्टोन, जीएसटी, स्टांप ड्यूटी या यहां तक कि क्लबहाउस शुल्क किसी से भी संबंधित हों। हम ईजीबज पेमेंट सॉल्यूशंस से मिले परिणामों से प्रसन्न हैं।

टाटा मोटर्स ने सीएनजी सेगमेंट में 21.1% बाजार हिस्सेदारी हासिल की

मुंबई। भारत की अग्रणी ऑटोमोटिव निमार्ता, टाटा मोटर्स सीएनजी वाहन सेगमेंट को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कंपनी ने खुद को मार्केट लीडर के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो और रणनीतिक पहलों के साथ, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही तक संपूर्ण सीएनजी सेगमेंट में प्रभावशाली 21.1% बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। महाराष्ट्र में, इस अवधि के दौरान ब्रांड की कुल कार बिक्री में सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 34% थी, जो मजबूत क्षेत्रीय विकास की स्थिति को दशार्ता है। पर्यावरण अनुकूल मोबिलिटी के प्रति टाटा मोटर्स की प्रतिबद्धता उभरते ऑटोमोटिव परिदृश्य को अपनाने के लिए इसके सक्रिय दृष्टिकोण में स्पष्ट रूप से जाहिर होती है।टियागो, टिगोर, नेक्सॉन, ऑल्ट्रोज और पंच जैसे लोकप्रिय मॉडल सीएनजी मॉडल्स की बिक्री को बढ़ाने में सहायक रहे हैं, जिनकी वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड की बिक्री में क्रमशः 22%, 48%, 30%, 32% और 35% की हिस्सेदारी रही है। टाटा पंच इस क्षेत्र में ब्रांड के सबसे अधिक बिकने वाले सीएनजी मॉडल के तौर पर उभर कर सामने आया है और इसके बाद नेक्सॉन, ऑल्ट्रोज, टिगोर और टियागो का स्थान है। ये आंकड़े स्थायी वाहन सेगमेंट में टाटा मोटर्स के नेतृत्व और नए व पर्यावरण-अनुकूल मोबिलिटी समाधान मुहैया कराने के प्रति उसके समर्पण पर जोर देता है।भारत में सीएनजी के बुनियादी ढांचे में काफी विस्तार हुआ है, इससे कंपनी के बढ़ते उत्पाद पोर्टफोलियो को और मदद मिली है। यह विस्तार सेगमेंट की मजबूत सीएजीआर और सालाना वृद्धि को गति देने वाला रहा है।नेक्सॉन iCNG: टाटा नेक्सॉन अपने स्टाइल, परफॉर्मेंस और व्यावहारिकता के लिए भारतीय ग्राहकों के बीच खुद को एक पसंदीदा विकल्प के रूप में स्थापित करने में सफल रहा है। सितंबर 2024 में, टाटा मोटर्स ने नेक्सॉन iCNG: के लॉन्च के साथ इस सेगमेंट गति दी, जो ट्विन-सिलेंडर सीएनजी टेक्नोलॉजी से लैस भारत की पहली एसयूवी है। 100 पीएस की पावर और 170 एनएम का टॉर्क जेनरेट करने वाले 1.2-लीटर टर्बोचार्ज्ड इंजन द्वारा संचालित, नेक्सॉन iCNG: प्रदर्शन और ईंधन दक्षता के बीच बेहतरीन संतुलन देता है।

इसका इनोवेटिव ट्विन-सिलेंडर सेटअप स्पेस को ऑप्टिमाइज करता है और प्रभावशाली 321 लीटर बूट क्षमता प्रदान करता है, जिसने सीएनजी सेगमेंट में एक नया मानक स्थापित किया है।ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाते हुए, नेक्सॉन iCNG: में हवादार लेदर सीटें, 10.25-इंच हरमन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एक पैनोरमिक सनरूफ, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और एयर प्यूरिफायर जैसे प्रीमियम फीचर्स हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मुठभेड़ में लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

मडियाहूँ व रामपुर की संयुक्त पुलिस टीम को मिली सफलता, तमंचा, कारतूस, एटीएम कार्डके साथ नकदी बरामद

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

मडियाहूँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मडियाहूँ व थाना रामपुर की संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुयी मुठभेड़ में लूट के दो अपराधी राहुल पाल पुत्र अनिल पाल निवासी शेखपुर थाना देल्हूपुर जनपद प्रतापगढ़ व सागर सरोज पुत्र राजेन्द्र सरोज निवासी अकारीपुर विश्वनाथगंज थाना देल्हूपुर जनपद प्रतापगढ़ गोली लगने से घायल हो गये, इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के कब्जे से दो तमंचा 315 बोर व 03 खोखा कारतूस 315 बोर, 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर, 16 एटीएम कार्ड व 6000/- रुपए नगद बरामद किया।

डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस कप्तान जौनपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी मडियाहूँ गिरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में आपराधियों की गिरफ्तारी, अपराध की रोकथाम के चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मु0अ0सं0 390/24 धारा 319(2) /318(2) /309(4)/ 317(2) / 317(4)/ 318(4) / 338/ 340(2) /341(3) /3(5) बीएनएस थाना मडियाहूँ, जौनपुर में दिनांक 14.12.24 को लूट की घटना कारित करने वाले अभियुक्तगण के स्विफ्ट डिजायर कार का पुलिस द्वारा बेलवां बाजार से पीछा करते हुए तहसील गेट मडियाहूं के पास घेरा गया जिसमें एक अभियुक्त पंकज कुमार भारती पुत्र सरोज भारती नि0 ग्राम सहरीबोझ सिरसा चौराहा ब्लाक धनुपुर थाना सरायममरेज प्रयागराज गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गये अभियुक्त पंकज ने बताया कि घटना में हम चार लोग शामिल थे जब पुलिस पीछा कर रही थी तो भीड़ का सहारा लेकर गाडी धीरे करके चुपके से तीन बैठे हुए साथी को उतार कर भगा दिया था। जिससे मुकदमा उपरोक्त में अभियुक्तगण 1.राहुल पाल पुत्र अनिल पाल निवासी शेखपुर थाना देल्हूपुर जनपद प्रतापगढ़, 2. सागर सरोज पुत्र राजेन्द्र सरोज निवासी अकारीपुर विश्वनाथगंज थाना देल्हूपुर जनपद प्रतापगढ़, 3. मुकेश भारती पुत्र दयाराम भारती नि0 खपटिया थाना सैदाबाद हड़िया प्रयागराज, 4. पंकज कुमार भारती पुत्र सरोज भारती नि0 ग्राम सहरीबोझ सिरसा चौराहा ब्लाक धनुपुर थाना सरायममरेज प्रयागराज का नाम प्रकाश में लाया गया। अभियुक्त पंकज को थाना हावालात में बंद कर वांछित अभियुक्तगण की गिरफ्तारी की।

किसानों की उन्नति से ही होगी देश की प्रगति: गिरीश चंद्र यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कृषि विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा परिसर में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के तहत चार दिवसीय विराट किसान मेला का आयोजन किया गया। शनिवार को चौथे दिन समापन समारोह में उ0प्र0 मिलेट्स पुनरोद्धार योजना के तहत मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण उ0 प्र0 गिरीश चन्द्र यादव ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृषि हमारे देश की संस्कृति एवं किसान राष्ट्र की आत्मा है। आज भी देश की एक बहुत बड़ी आबादी कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों पर निर्भर है इसलिए देश के सम्पूर्ण विकास के लिए किसानों की आमदनी बढ़ाना जरूरी है किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है। किसानों को वैज्ञानिक तकनीकी से खेती करने के लिए किसान मेला/गोष्ठी/प्रदर्शनी लगाकर उन्हें जागरूक किया जा रहा है ताकि किसान कम लागत में अधिक लाभ ले सके। उन्होंने कहा कि किसानों की उन्नति से ही देश की प्रगति सम्भव है।

श्री अन्न (मिलेट्स) रेसिपी प्रतियोगिता एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम पर कहा कि कभी गरीबों का अन्न कहा जाने वाला मोलेट्स आज उसकी उपयोगिता एवं गुणों से आहार विशेषज्ञ एवं वैज्ञानिक इतने प्रभावित है कि अब इन्हें सुपर फूड्स की संज्ञा दे रहे है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों की सेहत के राज यही मोटे अनाज हुआ करते थे किंतु हरित क्राति के बाद बाजारीकरण होने पर एक पहल धान, गेहूँ पर केंद्रित हो गयी किन्तु अब इसके गुणों के देखते हुए सरकार इसे श्री अन्न योजना

नाम दिया है। मोटे अनाज जो पोषण का खजाना है। उन्हें भोजन में पुनः सम्मलित करने के लिए उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने कहा कि कृषि की आधुनिक तकनीकीयो से खेती करके किसान अपनी समृद्धि कर सकता है, खेती को लाभकारी बनाने के लिए सरकार किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसलबीमा, यंत्रीकरण आदि योजनाओं के माध्यम से सहयोग कर रही है। उन्होंने बताया कि किसान सम्मान निधि की अगली किस्त पाने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दिया है। किसानों को एक यूनिक नम्बर दिया जा रहा है। जिसके माध्यम से कृषि विभाग की सभी योजनाओं का लाभ किसान प्राप्त कर कृषि का सतत विकास कर सकते है। उन्होंने किसानो से अपील किया कि गाँवो में शिविर लग रहे है। वहां से अथवा अपने नजदीकी सीएससी से हर किसान अपना गोल्डेन कार्ड बनवा ले अन्यथा सम्मान निधि रुक जाएगी। उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए मोलेट्स पुनरुद्धार योजना पर विस्तार से जानकारी दिया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. सुरेश कन्नौजिया, डा. सुरेन्द्र प्रताप सोनकर, डा. राजीव सिंह, डा. रत्नाकर पांडेय द्वारा रबी फसलों की बेहतर उत्पादन वाली तकनीकियों एवं श्री अन्न के उत्पादन, मूल्य सम्बर्धन, विपणन की जानकारी दिया।

इसके पूर्व मुख्य अतिथि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव, जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने फीता काटकर मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का उदघाटन किया तथा विभागीय एवं मिलेट्स रेसिपी प्रतियोगिता के लगे स्टालों का निरीक्षण कर किसानों से श्री अन्न के बारे में जानकारी लिया। रेसिपी प्रतियोगिता के प्रथम विजेता मानवी, अर्शिता, अल्का टीडी पीजी कालेज, द्वितीय विजेता श्वेता मौर्या, तृतीय विजेता एफपीओ की दुर्गा मौर्या, चतुर्थ स्थान के लिए सिमरन को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर तथा शेष दस प्रतिभागियों को सान्त्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया।

इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. ओपी श्रीवास्तव,भूमि संरक्षण अधिकारी प्रथम शशिकेश सिंह, कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेश यादव, एसएमएस डा. शिवानंद मौर्य, गायक दीपक पाठक, अभिषेक मयंक, प्रगतिशील कृषक विनय मिश्र, दुर्गा मौर्या, संध्या सिंह, कमला सिंह, प्रमोद उपाध्याय सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

धोखेबाज बलात्कार का आरोपी प्रेमी को हुई जेल

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लव सेक्स और धोखा जैसे कई मामले सामने आते रहते हैं। कुछ ऐसा ही एक मामला कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव में भी सामने आई। बताया जाता है की कोतवाली अंतर्गत ग्राम सबरहद निवासी सचिन कुमार का गाँव के बगल में ही एक गाँव निवासी युवती से एक वर्ष पूर्व आंखे चार हुई। धीरे धीरे प्यार परवान चढ़ता गया और वो दोनों एक दूसरे के साथ जीने मरने की कसमें खाने लगे समय बीतने के साथ प्यार में जब गिरवाट आई तो युवती युवक के ऊपर शादी करने का दबाव बनाने लगी मगर अपने वादे से मुकर गया।और शादी से इनकार कर दिया। वही युवती ने युवक के खिलाफ तहरीर दिया और न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जिसमे न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।जिसमें आरोपी सचिन वांछित चल रहा था।रविवार को मुखबिर की सूचना प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह, उप निरीक्षक सैय्यद हसन जफर रिजवी कांस्टेबल सलीम खान एवं गुड्डु प्रसाद की टीम ने आरोपी के सबरहद स्थित आवास से घेरेबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। जहां पुलिस ने उक्त युवक को मु.अ. स.418/2024 धारा 69 बीएनएस 2023 के तहत रविवार को आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद मेडिकल मुआयना कराने के बाद चालान न्यायालय भेज दिया।

अल्फारुक पब्लिक स्कूल के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

वसीम अहमद, सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। कादीपुर क्षेत्र के अल्फारुक पब्लिक स्कूल के छात्रों ने साइंस सिटी लखनऊ का भ्रमण किया। समस्त

छात्र व छात्राओं ने आंचलिक विज्ञान नगरी में मौजूद विज्ञान के हर पहलू से रूबरू हुए। छात्रों ने तारामण्डल और 3 डी शो का भी भरपूर आनंद उठाया। साइंस सिटी के बाद छात्रों ने अम्बेडकर पार्क का भी भ्रमण किया। अंत में छात्रों ने लूलू मॉल का भ्रमण कर अत्यधिक प्रसन्न दिखे। प्रधानाचार्य वसीम अहमद खान कहा कि शैक्षणिक भ्रमण से अर्जित की गई जानकारी अधिक रुचिकर व अविस्मरणीय होती है। भ्रमण टीम का नेतृत्व जमीर अहमद ने किया। गाइड सुधीश कुमार सिंह (कोऑर्डिनेटर) एस्कॉर्ट अमृता यादव, बसंत कुमार मिश्रा, संरक्षक साधना सिंह व अन्य अध्यापक रहे।

विधानसभा घेराव कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार

शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक में कार्यकर्ताओं में भरा गया जोश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिनांक 18.12.2024 को प्रस्तावित विधानसभा घेराव कार्यक्रम की तैयारी के मद्देनजर आज निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता योगी शासन की कुशल से त्राहि त्राहि कर रही है। सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। और अपनी नाकामी छुपाने के लिए धार्मिक तुष्टिकरण का सहारा ले रही है आम जनता की हर समस्या का एक ही जवाब है हिंदू मुसलमान,आए दिन कोई न कोई धार्मिक उन्माद फैलाने का एजेंडा सेट किया जा रहा है। मगर कांग्रेस पार्टी सरकार की हर नाकामी से पर्दा उठाने के लिए तैयार है। हम सड़क पर उतरकर संघर्ष करेंगे और 18 दिसंबर को विधानसभा घेराव करके सोई हुई सरकार को जगाने का काम करेंगे। कांग्रेस पार्टी की प्रदेश की भाजपा सरकार से पांच सूत्रीय मांग है। 1.बिजली कंपनियों का निजीकरण 2.प्रदेश में किसान की समस्याएं 3.प्रदेश में युवा बेरोजगारी की समस्याएं 4.प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं 5.प्रदेश कानून व्यवस्था इस अवसर पर शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रस्तावित हर धरना प्रदर्शन एवं संघर्ष में जौनपुर कांग्रेस के कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है, आगामी 18 दिसंबर को होने वाले विधानसभा घेराव में जौनपुर से कांग्रेस कार्यकर्ता भारी संख्या में लखनऊ पहुंचेंगे और सोई हुई सरकार को जगाने का काम करेंगे। इस अवसर पर राकेश उपाध्याय, प्रमोद मिश्रा, संदीप सोनकर, उस्मान अली, अजय सोनकर, ज्ञानेश सिंह, सरवर अहमद, अमन सिन्हा, संजय माली, राम सिंह बांकुरे, शशांक राय, अभिषेक मिश्रा, आदिल, इकबाल आदि कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजुद रहे।

युवा समाजसेवी की मांग पर सीएमओ ने लगवाया आयुष्मान कार्ड के लिए कैंप

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन क्षेत्र के अंतर्गत इमामपुर बाजार में आज युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा एडवोकेट के मांग पर सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह ने इमामपुर बाजार छेदीलाल वर्मा के आवास पर 70 वर्षीय पुरुष एवं महिला के लिए प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के आयुष्मान कार्ड का कैंप लगवाया। कैंप लगने के उपरांत सैकड़ों लोग उपस्थित होकर आज अपना आयुष्मान कार्ड बनवाएं इस अवसर पर आयुष्मान कार्ड अधिकारी रविंद्र यादव ने सभी लोगों का बारी-बारी से कार्ड बनाएं इस अवसर पर हाजी इसरार, जुम्मन, राधेश्याम विश्वकर्मा, परमानंद सिंह, राम आसरे अग्रहरि, उदय राज यादव, भरत सोनी, कुलफत गौतम, पारस नाथ पाल, छेदी लाल वर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। अंत में युवा समाज सुजीत वर्मा ने सीएमओ को हृदय से धन्यवाद अर्पित किया।

स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक थे सरदार पटेल: कुलपति

सरदार पटेल की पुण्यतिथि पर किया गया नमन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह समेत शिक्षकों ने उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि सरदार पटेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक और एक सशक्त प्रशासक थे। उनका संकल्प और दृढ़ नायकत्व भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की धारा को दिशा देने में अहम रहा। उनका कृतित्व और व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल जी ने देश के विभाजन के बाद भारतीय राज्यों को एकजुट करना साहसिक कार्य किया था। उन्होंने रियासतों को भारतीय संघ में मिलाया और यह सुनिश्चित किया कि भारत की एकता बनी रहे। उनकी दृष्टि ने स्वतंत्रता के बाद भारत को मजबूत और अखंड राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। इस अवसर पर प्रोफेसर प्रमोद यादव, डॉक्टर दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ.श्याम कन्हैया सिंह, डॉ.शशिकांत यादव, डॉ.धीरेंद्र चौधरी, डॉ नवीन चौरसिया समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

सशक्त नारी ही देश, समाज की सच्ची पहचान: डॉ.रागिनी सोनकर

- **समारोह में कंबल वितरण व बच्चियों को स्कूली बैग दिए गए**
- **नदियांव में आयोजित किया गया महिला सशक्तिकरण अभियान**

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर की नदियाव ग्रामसभा में रविवार को महिला सशक्तिकरण अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मछली शहर की समाजवादी पार्टी की विधायक एवं सपा की स्टार प्रचारक डॉक्टर रागिनी सोनकर के निमार्णाधीन आवास पर किया गया। समारोह में ठंड के बावजूद विधानसभा की हजारों महिलाओं ने भाग लिया। समारोह में कंबल वितरण और बच्चों को स्कूल बैग दिए गए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सशक्त नारी ही देश और समाज की सच्ची पहचान है। एक महिला जब आगे बढ़ती है तो पूरा परिवार, समाज, प्रदेश और देश सशक्त होता है। जो सपने लेकर महिलाएं आई हैं वही सपने लेकर महिलाएं भी सदन में पहुंची थीं। इस अवसर पर विधायक डॉक्टर रागिनी सोनकर ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, आत्मनिर्भरता और समानता की ओर प्रेरित करना है। यह अभियान महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने और समाज के हर क्षेत्रों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान से वंचित रखा जाता है। बाल विवाह, दहेज प्रथा, और लैंगिक भेदभाव जैसी कुप्रथाएं महिलाओं के सशक्तिकरण में सबसे बड़ी बाधा हैं। बच्चों को पढ़ाने की लो राह, बंद करो ये बाल विवाहर जैसे संदेश समाज को जागरूक करने का प्रयास है। उनका मानना है कि महिलाएं परिवार और समाज का आधार होती हैं। पढ़ी लिखी नारी, घर-घर की उजियारी इस बात को दर्शाता है कि शिक्षित महिला न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज को आगे बढ़ाती है। नारी सशक्तिकरण के बिना किसी भी राष्ट्र की प्रगति अधूरी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान, दहेज प्रथा उन्मूलन, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे मुद्दे पर जागरूक किया गया। डॉ. रागिनी सोनकर ने अपने संबोधन में कहा, "महिला सशक्तिकरण किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। नारी को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान देकर ही हम एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक कैलाशनाथ सोनकर,अभिमन्यु यादव पूर्व प्रमुख श्याम जी यादव प्रधान सूर्यभान यादव प्रधान, विधान सभा अध्यक्ष विवेक यादव, ब्लाक अध्यक्ष नन्हे यादव ब्लाक अध्यक्ष भारत जिला पंचायत रोहित दुबे विधानसभा उपाध्यक्ष आदि लोग उपस्थित थे।

संविधान लाइव: 5 हफ्ते से चल रहे कार्यक्रम का हुआ समापन, प्रमाण पत्र किया वितरण

मोहम्मद अफजल

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यशोदा उत्तर माध्यमिक विद्यालय शाहपुर में संविधान लाइव बी अ जागरिक कार्यक्रम किशोर और किशोरियों के साथ चल रहा था। बी अ जागरिक कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर ज्योतिका श्रीवास्तव ने बताया कि 5 हफ्ते से यह कार्यक्रम चल रहा था और आज इसके समापन के अवसर पर जागरिक किशोर और किशोरियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया इस कार्यक्रम में आजाद शिक्षा केंद्र खेतासराय के सुफियान खान और मनोज कुमार के द्वारा किशोर व किशोरियों को संविधान द्वारा प्राप्त मौलिक अधिकार, मूलभूत कर्तव्य, संवैधानिक मूल्य, अनुच्छेद व प्रशासनिक लेटर लिखना सीखाया गया तथा किशोर व किशोरियों द्वारा टास्क खेल कर सामुदायिक कार्य किया गया जिसमें उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा हेतु पेड़ पौधे लगाना, उनका संरक्षण करना व्यर्थ में पानी ना बहाना, बिजली की जरूरत ना होने पर स्विच ऑफ करना, बाल विवाह, दहेज प्रथा, विधवाओं का शुभ कार्य में शामिल न करना जैसी कुरीति की रोकथाम करना, आदि के प्रति कर्तव्य निर्वहन करना शुरू कर दिया गया है। इनके अंदर नेतृत्व की क्षमता का विकास हुआ है आगे भी वह संवैधानिक तरीके से सामाजिक कार्य कर सकें इसके लिए विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रंजना पांडेय ने इस तरह के कार्यक्रम की सराहना करते हुए आजाद शिक्षा केंद्र व कम्युटिनी को धन्यवाद देते हुए कहा कि आगे भी हमारे विद्यालय में ऐसे दूसरे प्रोग्राम कराए जाएं जिससे बच्चों में जागरूकता बढ़े और नेतृत्व की क्षमता का विकास हो सके। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री गजेंद्र पांडेय जी और समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित प्रक्रिया शुरू, योजना का लाभ लें किसान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शासन के मंशानुरूप जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र के निर्देश के क्रम में उपनिदेशक कृषि हिमांशु पांडेय ने अवगत कराया है कि फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह योजना किसानों के लाभ के लिए है। जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं, सब्सिडी और अनुदानों का लाभ आसानी से मिल सके। रजिस्ट्री के लाभ इस प्रकार है- **सटीक पहचान**: इससे भूमि और फसल का सही रिकॉर्ड दर्ज किया जाएगा। सरकारी योजनाओं का लाभ: कृषि संबंधित सभी सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। डिजिटल सुविधा: यह प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल है, जिससे किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। **सीधी सहायता**: सब्सिडी, बीमा,और अन्य लाभ सीधे आपके बैंक खाते में पहुंचेंगे। रजिस्ट्री के लिए आवश्यक दस्तावेज हैं-आधार कार्ड,आधार कार्ड से लिंक मोबाइल फोन व नम्बर, भूमि रिकॉर्ड (खसरा-खतौनी की प्रति),स्वयं कृषक। **पंजीकरण कैसे करें**: ऑनलाइन माध्यम : सरकारी पोर्टल पर लॉग इन करके फार्मर रजिस्ट्री का फॉर्म भरें।

कॉमन सर्विस सेंटर (CSC): अपने नजदीकी CSC केंद्र पर जाकर फार्मर रजिस्ट्री करवाएं। कृषि विभाग व राजस्व विभाग द्वारा आयोजित कैम्प में जाकर। सभी किसान भाई और बहन से अनुरोध है कि जल्द से जल्द अपना कार्य पूर्ण करवाएं। किसी प्रकार की समस्या होने पर कृषि विभाग व राजस्व विभाग से संपर्क करें। आधुनिक कृषि के लिए डिजिटल रजिस्ट्री का लाभ उठाएं और अपनी फसल व भविष्य को सुरक्षित बनाएं।

वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर हुई शोक सभा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। न्यूज ग्रुप के द्वारा डॉ.इम्तियाज सिद्दीकी की अध्यक्षता में एक शोक सभा आयोजित हुई।जिसमें पत्रकार कपिलदेव मौर्य के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की गयी। सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गयी। उक्त अवसर पर जौनपुर के राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद राजि.के अध्यक्ष तामीर हसन शिबू, मनीष श्रीवास्तव, शब्बीर हैदर अम्मार, शशि मौर्य, अनवर अहमद, गार्गी यादव, गुड़िया राज, शमा परवीन, अफताब आलम, शिवकुमार प्रजापति, मोहम्मद अफजल, निशानाथ, अमित तिवारी, धर्मेंद्र कुमार शर्मा, विशाल सोनी, डॉ.एस.के.मिश्र, कलीम अहमद, अभिताश गुप्ता, मोहम्मद आसिफ सिद्दीकी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। पत्रकारों ने जताया शोक जौनपुर के राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिला महासचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार रियाजुल हक ने पत्रकार कपिलदेव मौर्य के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए कहाकि स्व. मौर्य कई दशकों से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे थे। उनके निधन से जौनपुर की पत्रकारिता पर गहरा आघात पहुंचा है। परमात्मा उनके परिवार को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

शांति भंग में 3 महिलाओं सहित नौ पाबंद

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस अपनी पैनी नजर बनाएं हुए है। ताकि किसी भी प्रकार की कोई अशांति न फैलाएं। शांति व्यवस्था को कायम रखने में खलल डालने वालों को खेतासराय पुलिस टीम ने रविवार को नौ लोगों को शांति भंग में गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया। जिसमें 3 महिलाएं भी शामिल है। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि मुन्नीलाल, रामदुलार, राजकुमार, शोभनाथ, शिवपूजन, विद्या व सुशीला निवासीगण कलापुर व दिलीप, सविता निवासीगण झंझेपुर को शांति भंग में गिरफ्तार किया गया है। जिनको थाने लाकर विधिक कार्यवाई करते हुए चालान न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय, उपनिरीक्षक रवींद्रनाथ तिवारी, धर्मेंद्र कुमार सिंह, हेडकांस्टेबल राकेश यादव, मैनुद्दीन अंसारी, कांस्टेबल न्यायाधीश वर्मा, शुभम त्यागी, देवी प्रसाद चौहान, धर्मेंद्र कुमार, महिला कांस्टेबल अंतिमा सिंह व प्रिया प्रजापति शामिल रही।

नहर टूटने से फसल हुई जलमग्न

बाघराय,प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। हीरागंज रजबहा से निकलने वाली नहर फूलपुर रामा देवगलपुर के सामने टूटने से किसानो की फसलों का हुआ भारी नुकसान, ग्राम देवगलपुर के रिटायर्ड फौजी रवि शंकर शुक्ला व उनके भाई उमाशंकर शुक्ला की गिरीश शुक्ला बब्लू शुक्ला की गेहूं और सरसों की फसल जलमग्न हो गई। नहर टूटने पर ग्रामीणों ने टूटी माइनर को पाट कर पानी को बंद किया। गौरतलब पिछले साल इसी महीने दिसंबर 2023 में इसी जगह देवगलपुर में नहर टूटी थी जिसकी सूचना बाबागंज के विधायक विनोद सरोज से गांव के ही पत्रकार रवेश शुक्ला ने किया था। विधायक जी के हस्तक्षेप के बाद नहर विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा जेसीबी लगाकर नहर की पटरी बना दी गई थी। आज दिनांक 15 दिसंबर 2024 को नहर ओवरफ्लो होने से एक बार फिर टूट गई और किसाने की फसल जल मग्न हो गई। नहर टूटने से जलमग्न हुई फसल के नुकसान के लिए किसानों ने हल्का लेखपाल को मौके पर बुलाकर नुकसान की भरपाई करने के लिए रिपोर्ट लगाने के कहा।

भारत बनेगा फिर से जगद्गुरुः स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज

मुंबई(उत्तरशक्ति)। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने हमारे राष्ट्र से सोना, चांदी, हीरे, जवाहरात, कोहिनूर व खजाने लूटकर ले गए लेकिन अध्यात्म ज्ञान अभी भी हमारे मनीषियों के मस्तिष्क में है। उसका व्यवसाय बनाकर नहीं बल्कि निस्वार्थ भाव से चंद लोग भी एकजुट होकर प्रचार प्रसार करने में जुट जाएं तो भारत फिर से जगद्गुरु बनेगा। रविवार को गोरेगांव (पश्चिम) जवाहर नगर स्थित आई. बी. पटेल स्कूल ग्राउंड में विराट धर्म सम्मेलन में भक्तजनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत जगद्गुरु रहा है, आज कमियां भारत में नहीं हम भारतवासियों में आयी है, विचारपूर्वक उन्हें दूर करें तो भारत फिर से जगद्गुरु के पद पर प्रतिष्ठापित होगा। आज सारा विश्व संभावित भयानक युद्ध के यंत्रणा काल से गुजर रहा है। ऐसे में हम सभी राष्ट्रवासियों को समस्त प्रकार की संकीर्णताओं व मतभेदों को त्यागकर आपसी प्रेम, एकता व सदभाव को बनाए रखना है।

राष्ट्र व समाज को विभिन्न आधारों पर तोड़ने व बांटने की घृणित साजिशों को सफल नहीं होने देना है। हम सभी को आत्म अन्वेषण करना चाहिए कि राष्ट्र के उत्थान, विकास के लिए, आजादी को बरकरार रखने व शांति का साम्राज्य स्थापित करने में हमारा क्या योगदान है। हम सभी राष्ट्रवासी ऐसा संकल्प लें कि शहीदों की कुर्बानियों को व्यर्थ न जाने दें। हम विश्व बंधुत्व व विश्व के कल्याण की भावना रखते हैं लेकिन उससे पहले अपनी जन्मभूमि इस भारत मां की समृद्धि व खुशहाली की कामना करते हैं। हम अपने प्रति दूसरों के द्वारा किए अपराधों को क्षमा कर सकते है परंतु अपनी भारत मां के प्रति, मानवता के प्रति किये अपराधों को कदापि क्षमा नहीं कर सकते। पड़ोसी राष्ट्र को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि पाक को अपने नापाक इरादे बदलने चाहिए। भारत को आतंक के साये में पिछले कई दशक से अघोषित युद्ध की स्थिति में झोंक रखा है। आए दिन होने वाली घुसपैठ आतंकवादी हमले आतंकवादी ट्रेनिंग कैंप चलाकर सैनिकों के साथ बर्बरतापूर्ण व्यवहार करके अमानवीयता की सारी हदें तोड़ रखी है। इन नापाक हरकतों से बाज आएं वरना हमेशा की तरह मुंह की खानी पड़ेगी। हमने कभी युद्ध नहीं चाहा, हम पर हमेशा युद्ध थोपे गए, भारत विश्व बंधुत्व का भाव रखता है पृथ्वी ही नहीं संपूर्ण ब्रह्माण्ड में शांति चाहता है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले की कड़ी निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि जिस देश को हमने पाला पोसा आज वहीं हमें डंसने की कोशिश कर रहा है। स्वामी हरि चैतन्य पुरी महाराज ने कहा कि जिस देश में वर्ष में दो बार नवरात्रि व विभिन्न मांगलिक अवसरों पर कन्या पूजन किया जाता हो, वहां कन्या भ्रूण हत्या जैसा जघन्य अपराध निंदनीय व शर्मनाक है। घटता हुआ लिंग अनुपात भविष्य के लिए चिंता का विषय है व कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध कठोर कानून बनाने के साथ समाज में जागरूकता फैलाने की जरूरत है। विराट धर्म सम्मेलन में श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, डॉ. संजय हेलाले, पूर्व नगरसेवक दीपक ठाकुर, जितेंद्र सिंह, पत्रकार हरिगोविंद विश्वकर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में भक्त समुदाय उपस्थित रहे। इस अवसर पर लोकगायक सुरेश शुक्ल ने भजन गीत प्रस्तुत किया।

पत्रकार राजहंस सिंह की मां रामसखी सिंह का निधन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महानगर के पत्रकार राजहंस सिंह की मां राम सखी सिंह का 85 वर्ष की उम्र में उनके पैतृक गांव मैनपुर, करंडा ,गाजीपुर में निधन हो गया। वे अत्यंत दयालु तथा धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। यही कारण था कि मिलने वाला हर व्यक्ति उनसे प्रभावित रहता था। वह अपने पीछे चार पुत्र राणा सिंह, शिवाजी सिंह, सुभाष सिंह, राजहंस सिंह तथा एक पुत्री शीला सिंह से भरा पूरा परिवार छोड़ गई। राम सखी सिंह के निधन पर पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह , उत्तर प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह, डॉ किशोर सिंह, पत्रकार शिवपूजन पांडे,संजय सिंह, प्रेमचंद सिंह, सुनील सिंह, सुशील सिंह, राकेश सिंह, विनोद सिंह, राजेश सिंह, सतीश सिंह, गिरीश सिंह, उमेश सिंह, अखिलेश सिंह, कमलेश सिंह ,संतोष सिंह, आदित्य सिंह, साजन सिंह ,अमन सिंह, मिलन सिंह, अंशिका सिंह, जिम्मी सिंह, जैकी सिंह समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

स्वतंत्रता सेनानी व शहीद जवानों के परिजनों को किया गया सम्मानित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बदलापुर कोतवाली पुलिस ने रविवार को भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक गजानन्द चौबे ने कहा कि स्वतंत्र भारत के वास्तुकार के रूप में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को मान्यता देने और देश की सुरक्षा ,एकता और अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे ने इस मौके पर वीरों का वन्दन कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के ढेमा गांव निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय ललई कहार , ग्राम भीमपुर निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय हरी उपाध्याय , ग्राम डोमपुर निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय लालता प्रसाद दुबे , ग्राम मुरादपुर कोटिला निवासी शहीद वीरेंद्र सरोज , ग्राम दुधौड़ा निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय तीरथ राज उपाध्याय तथा ग्राम खालिसपुर निवासी स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय उदयराज पाठक के आश्रित परिजनों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस मौके पर सभी पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

भगवान शिव और नंदी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

बलिया(उत्तरशक्ति)। जिले के एक गांव में एक मंदिर में भगवान शिव और नंदी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। इस मामले में एक व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के टकरसन गांव में बुधवार को एक बगीचे में स्थित शिव मंदिर में स्थापित शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। उसने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह लोग जब पूजन करने मंदिर गए तो मंदिर का ताला टूटा हुआ देखा और 1200 रुपये गायब मिले। पुलिस ने बताया कि नंदी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर बगीचे में फेंक दिया गया था। थाना प्रभारी अखिलेश पांडेय ने बताया कि इस मामले में गांव के मुन्ना सिंह की तहरीर पर सन्नी बहेलिया नामक व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

जन्मदिन मनाने के लिए पति से पैसे न मिलने पर अपने बच्चों को दिया जहर, फिर खुद भी खाया

हमीरपुर (उत्तरशक्ति)। यूपी के हमीरपुर जिले में बच्चों का जन्मदिन मनाने के लिए 5 हजार रुपये न मिलने पर पति से फोन पर हुए विवाद के बाद महिला ने आवेश में आकर दो मासूम बच्चों के साथ घर में रखा जहरीला पदार्थ पी लिया। जिससे तीनों की हालत बिगड़ने लगी। जिसके बाद परिजनों और पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से महिला औ? दोनों मासूम बच्चों को इलाज के लिए सीएचसी मौदहा में भर्ती कराया है। जहां उनका उपचार किया जा रहा है। पूरा मामला सिसोलर थाना कस्बे का है। जहां के निवासी पुन्ना प्रजापति ने बताया कि उसका पुत्र शिवकुमार एक माह पूर्व सूरत मजदूरी करने गया है। आज बहू चंदमोहिनी ने शिवकुमार को फोन कर पुत्र दिव्यांश व पुत्री दिव्या का जन्मदिन मनाने के लिए पैसे मांगे थे। लेकिन अभी तत्काल पैसे न होने का हवाला देकर पति द्वारा मना कर देने से महिला ने गुस्से में आकर बच्चों सहित घर में रखा कीटनाशक पी लिया। जिसके बाद घर पहुंचे ससुर ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस औ? परिजनों ने एंबुलेंस की मदद से महिला व बच्चों को मौदहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। जहां उनका उपचार किया जा रहा है। जिसके बाद तीनों की हालत में सुधार बताया जा रहा है।

क्रिसमस और नए वर्ष पर देर तक खुली रहेंगी शराब की दुकानें

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में आबकारी विभाग ने निर्णय लिया क्रिसमस और नए वर्ष पर शराब की दुकानें एक घंटे देर तक खुलेंगी। इसके लिए जिलों में पत्र भेजकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। यानी 24-25 और 31 दिसंबर को शराब-बीयर और देशी शराब की दुकानें सुबह 10 बजे से 11 बजे रात तक खुली रहेंगी।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

बिलरियागंज,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। विकासखंड महाराजगंज के सहदेवगंज मोड़ के पास बिलरियागंज रोड पर ऑल इंडिया रुरल एजुकेशनल फेडरेशन के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के मुख्य अतिथि दिनेश सिंह रहे, मुख्य अतिथि फीता काट कर रक्तदान की शुरूआत किया। शिविर के माध्यम से लोगों को बताया गया कि रक्तदान, देना ही सबसे बड़ा दान होता है रक्तदान से ही मनुष्य को जीवन दान दिया जा सकता है। और किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है किसी की जिंदगी बचाने के लिए आप के रक्तदान का एक बूंद उसके जिंदगी को सवार सकती है। रक्तदान देना ही एक धर्म है। रक्तदान ही किसी के जीवन को बचा सकता है। रक्त के बिना ही मनुष्य एक पल भी जीवित नहीं रह सकता है। जीवित रहने के लिए मनुष्य को रक्त की आवश्यकता होती है। इस रक्तदान शिविर में महिलाओं एवं पुरुषों की भागीदारी रही। इसमें तीन महिलाएं भी अपना रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में विजय प्रताप भारद्वाज, बालकिशुन राजभर, रामायण राजभर, बुद्धिराम राजभर, दीनदयाल राजभर, प्रेम आशीष उर्फ पमपम,विशाल श्रीवास्तव, उमेश, दीपक, शुभम, राम अचल आदि शामिल रहे।

बिजली चोरी करने वालों से होगी वसूली

संभल(उत्तरशक्ति)। संभल में डीएम और एसपी के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने नखासा तिराहा, खग्गू सराय, रायसत्ती रोड और दीपा सराय में 49 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी है। चार मस्जिदों और एक मदरसे में भी बिजली की चोरी पकड़ी गई है। बिजली विभाग ने 1.30 करोड़ रुपये का जुर्माना निर्धारित करते हुए रिपोर्ट तैयार की है। आरोपियों से इसकी वसूली की जाएगी। नखासा थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह पांच बजे से डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने नखासा तिराहा, खग्गू सराय, रायसत्ती रोड और दीपा सराय में चेकिंग अभियान चलाया है। 49 कटिया कनेक्शन पकड़े गए हैं। डीएम ने बताया कि संभल शहर में सबसे ज्यादा लाइनलॉस इन्हीं इलाकों में होता है। हर महीने करोड़ों रुपये की बिजली चोरी की जाती है। बिजली विभाग की टीम प्रभावी तरीके से कार्रवाई नहीं कर पाती है। इसलिए यह कार्रवाई शनिवार की सुबह से शुरू कराई गई है। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार ने बताया कि चेकिंग के दौरान जगह-जगह केबल काटने और हटाने के सबूत मिले हैं। 250 से ज्यादा कटिया कनेक्शन थे लेकिन कार्रवाई शुरू होते ही लोगों ने केबल हटा दिए या काट दिए। इसकी भी जांच कराई जाएगी। जिसकी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। बताया कि 49 बिजली चोरी के मामलों में 130 किलोवाट भार की बिजली चोरी पकड़ी गई है। दीपासराय में बिजली चोरी करने वालों के हौसले इसलिए भी बुलंद थे क्योंकि बिजली विभाग की ओर से चेकिंग नहीं की जाती थी। इसका कारण यह सामने आया कि विभागीय अधिकारी और कर्मचारी इस इलाके में जाने से डरते थे। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि पतली और संकरी गलियों के कारण भी टीम नहीं जाती थी। डीएम और एसपी के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया गया है। साथ ही अब केबल भी बदल दिए हैं। खंभे भी लगाए गए हैं। खग्गू सराय और रायसत्ती इलाके में अतिक्रमण हटाओ अभियान भी शनिवार की सुबह से चलाया गया। जिन लोगों ने मकानों के सामने स्लैब लगा दिए थे उनको तोड़ा गया और बोर्ड को हटाया गया। कई लोगों ने खुद भी अतिक्रमण हटाया। यह अभियान अभी जारी रहेगा। तीन दिन पहले दीपा सराय में बिजली चेकिंग अभियान के दौरान एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने लोगों को बुलाकर चेतावनी दी थी कि बिजली चोरी बंद कर दें। यदि बिजली चोरी बंद नहीं होती है तो सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद भी लोग चोरी से बिजली जलाते रहे। मस्जिदों पर पकड़ी गई बिजली चोरी में हैरान कर देने वाली बात यह सामने आई कि किसी छोटे बिजलीघर की तरह केबल का जाल बिछा हुआ था। अलग अलग लोगों के घरों में बिजली सप्लाई जा रही थी। बिजली

हिन्दू समाज कळंबोली द्वारा बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर प्रदर्शन 22 को

नवीं मुंबई। बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर हिंदू समाज का कलंबोली ने विभिन्न मुद्दों को लेकर 22 दिसंबर को प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। हिंदू समाज कळंबोली निम्नलिखित ज्वलंत मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए बताया है कि हमारे समुदाय की सुरक्षा, संरक्षा और सद्भाव को प्रभावित कर रहे हैं। इन मामलों को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए संबंधित अधिकारियों का तत्काल हस्तक्षेप करने की आवश्यक है।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा रोकें:

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर हाल ही में हुए हमले बेहद परेशान करने वाले और पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। हम इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हैं और मांग करते हैं कि ऐसी हिंसा तुरंत बंद हो। अंतरराष्ट्रीय समुदाय और बांग्लादेश में संबंधित अधिकारियों को हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सुरक्षा की रक्षा के लिए तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि वे बिना किसी डर या उत्पीड़न के जीने की स्वतंत्रता सुनिश्चित कर सकें।

कळंबोली में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की मौजूदगी का समाधान करें:

यह हमारे ध्यान में आया है कि अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी हमारे इलाके में खुलेआम घूम रहे हैं। यह मुद्दा कानून का पालन करने वाले निवासियों की सुरक्षा के लिए संभावित जोखिम पैदा करता है। हम प्रशासन से आग्रह करते हैं कि वह हमारे कानूनों की अखंडता को बनाए रखने और हमारे समुदाय की सुरक्षा के लिए इन अवैध प्रवेशकों की पहचान करे और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करे।

बिना अनुमति के चल रही अवैध मटन और चिकन की दुकानों पर तत्काल कार्रवाई:

हमारे इलाके में पीएमसी से आवश्यक अनुमति के बिना एक अनधिकृत मटन और चिकन की दुकान चल रही है। यह विनियामक मानकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का घोर उल्लंघन है। हम पीएमसी से इस अवैध प्रतिष्ठान को बंद करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने और उचित नियमों को लागू करने का आह्वान करते हैं। हमने उपरोक्त मुद्दों के लिए 22 दिसंबर 2024 को एक विशाल प्रदर्शन का आयोजन किया है। लोगों से इसमें शामिल होने और इसकी आवाज को मजबूत करने की अपेक्षा है।

प्रॉपर्टी डीलिंग के विवाद में स्टांप वेंडर की धारदार हथियार से हत्या

देवरिया (उत्तरशक्ति)। देवरिया तहसील में स्टांप वेंडर का कार्य करने वाले एक युवक के सिर पर धारदार हथियार से वार कर घायल कर दिया गया। इसके बाद उसे लेजाकर मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया। इसके बाद परिजनों को छत से गिरकर चोटिल होने की सूचना दी। परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंच गए, जहां हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के क्रम में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। लखनऊ में शव का पोस्टमार्टम कराकर गांव पहुंचे आक्रोशित परिजनों ने ग्रामीणों के साथ धुसवा चौराहे पर शव को सड़क पर रख प्रदर्शन करने लगे। आक्रोशित परिजन हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। परिजनों का आरोप था कि प्रॉपर्टी के एवज में दिये गए रुपये व जमीन संबंधित कागजात मांगने पर स्टांप वेंडर की हत्या की गई है। मृतक की पत्नी ने एक दोस्त, उसके तीन से चार अज्ञात साथियों व चौकीदार पर हत्या कर घटना को दुर्घटना बताने के लिए मनगढ़ंत कहानी रचने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। जाम हटवाने के दौरान पुलिस से जमकर झड़प हुई। पुलिस मुदार्बाद व वापस जाओ के भी जमकर नारे लगे। बघौचघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत छितौनी के रहने वाले अजय मिश्रा उर्फ मंटू (42) पुत्र स्वर्गीय जगदंबा देवरिया तहसील में स्टांप वेंडर का काम करते थे। इसके अलावा वह प्रापर्टी डीलिंग का भी कार्य करते थे। परिजनों के अनुसार 11 दिसंबर की शाम को बरियारपुर थाना क्षेत्र के धुसवां चौराहे पर कुछ दोस्तों ने फोन करके मंटू को दावत पर बुलाया। आधी रात को मंटू के बड़े भाई विजय मिश्र के मोबाइल पर फोन आया कि मंटू छत से गिरकर घायल हो गए हैं। उनका महर्षि देवरहवां बाबा मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। आनन-फानन में परिजन भागते हुए अस्पताल पहुंचे, जहां से हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने 12 दिसंबर को मंटू को लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। मंटू का लखनऊ के अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां शनिवार को उनकी मौत हो गई। रविवार की सुबह परिजन लखनऊ से शव लेकर घर पहुंचे। हत्या का आरोप लगाते हुए परिजन कुछ गांव वालों के साथ धुसवां चौराहे पर पहुंच गए और शव को रास्ते में रखकर चक्का जाम कर दिया। मृतक के भाई विजय ने कहा कि उनके भाई की प्लानिंग के तहत हत्या की गई है। इधर, पुलिस ने जबरन सड़क जाम कर रहे लोगों को हटवाने का प्रयास हुआ तो भीड़ आक्रोशित हो गई। इस दौरान सीओ दीपक शुक्ला से जमकर तू-तू मैं-मैं हुई। पुलिस वापस जाओ और मुदार्बाद के जमकर नारे भी लगे। मौके पर पहुंचे एसडीएम सदर से मृतक के परिजनों ने भरण-पोषण और घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद से मृतक की पत्नी सरिता और बूढ़ी मां का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं जिनमें से एक दिव्यांग है। सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ला ने बताया कि संदिग्ध परिस्थिति में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हुई है। घटना से नाराज लोगों ने सड़क जाम किया था। लोगों को समझा कर जाम समाप्त कराया गया है। परिजनों ने हत्या करने की तहरीर दी है।

वरिष्ठ सर्जन व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ नीरज प्रकाश सिंह ने लगाया नि:शुल्क शिविर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पालीटेक्निक चौराहे के पास एमएस पैरामेडिकल कालेज में रविवार को हृदय रोग संस्थान कानपुर के वरिष्ठ सर्जन व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ नीरज प्रकाश सिंह ने निःशुल्क हृदय रोग शिविर लगाकर सौ से अधिक मरीजों की जांच व उपचार किया। उन्होंने हृदय रोगियों को आहार, विहार से लेकर अन्य सावधानियां बरतने के तरीके भी बताए। हृदय रोग से गंभीर रूप से पिड़ित चार मरीजों को उन्होंने कानपुर के उक्त सरकारी अस्पताल में लाकर दिखाने की सलाह दिया। मूलरूप से जौनपुर जिला अंतर्गत सिकरारा क्षेत्र के बांकी गांव निवासी डाक्टर नीरज प्रकाश सिंह का अपनी जन्म भूमि से विशेष लगाव है। इसी लिए वे अपने साप्ताहिक अवकाश का उपयोग अपनी मातृभूमि की सेवा में महीने के दूसरे रविवार को निश्शुल्क शिविर लगाकर दे रहे हैं। उन्होंने हृदय रोगियों को प्राकृति प्रदत्त बस्तुएं व मोटे खाद्यान्न की तरफ लौटने को कहा। भोजन में मोटे अनाज,हरी सब्जियां,मौसमी फल को सामिल करने के साथ साथ नित्य हल्की कसरत करने को कहा। हार्ट संबंधी रोग सुगर और बीपी के बढ़ने के कारण अधिक हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुगर से शुरूआती दौर में बचाव का एक मात्र सबसे सरल और सहज रास्ता है कि जो खाद्य पदार्थ आपको खाने में बहुत अच्छा लगता है ।उसी का त्याग कीजिए। पूरा नहीं बंद कर सकते तो कम से कम खाइए। यदि सुगर की दवा लेते हों तो भी परहेज अवश्य करते रहें। सुबह नित्य खुले वातावरण में टहलें। घर परिवार में माहौल खुशनुमा बने रहने से भी बहुत लाभ होता है।

मोबाइल चुराते सीसी कैमरे में हुआ कैद

बिंद्राबाजार(उत्तरशक्ति)। गंभीरपुर में शुक्रवार दोपहर एक बजे बाइक सवार अज्ञात उचक्कों ने दुकान के काउंटर पर चार्ज में लगा कर रखे मोबाइल को लेकर फरार हो गए। पूरी घटना सीसी केमरे में कैद हो गई। गंभीरपुर के रानीपुर रजमो गांव निवासी चंदन चौहान की बिंद्रा बाजार में चंदन होमियो हॉल नाम से दवा की दुकान है। शुक्रवार को चंदन चौहान दुकान के काउंटर पर मोबाइल चार्ज में लगाकर रखे थे। तभी दोपहर एक बजे बाइक सवार उचक्कों ने चार्ज में रखे मोबाइल को लेकर फरार हो गए। यह पूरा घटना सीसी में कैद हो गया। इस संदर्भ में चंदन ने गंभीरपुर थाने में तहरीर दी है।

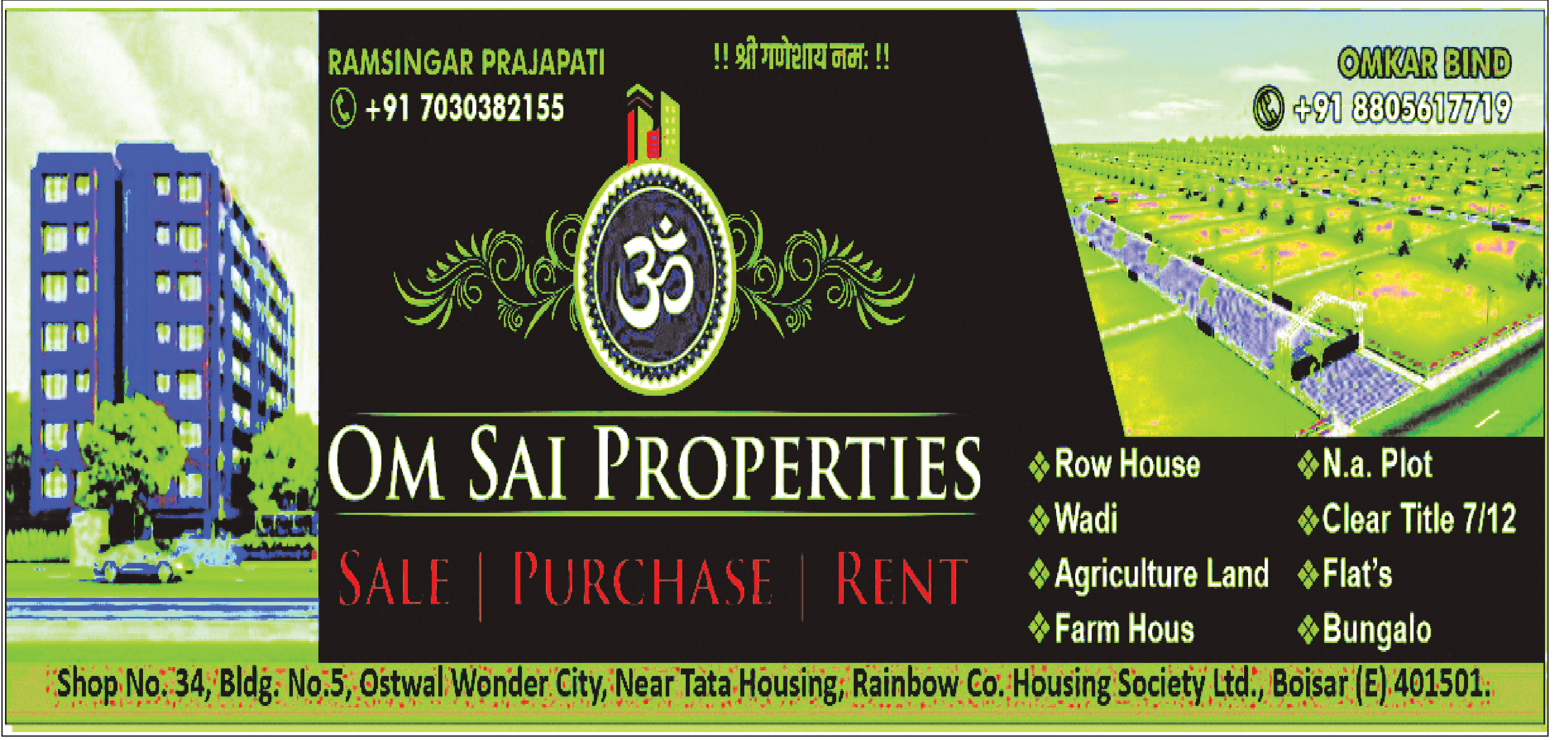

श्री महानन्द संस्कृत माध्यमिक विद्यालय का भूमिपूजन संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम अमांव पोस्ट मधुपुर विकास खंड सुजानगंज जौनपुर उत्तर प्रदेश स्थित श्री महानन्द संस्कृत माध्यमिक विद्यालय का भूमिपूजन 15 दिसंबर 2024 दिन रविवार को प्रोजेक्ट अलंकार योजना के तहत अच्छादित विद्यालय श्री महानन्द संस्कृत माध्यमिक विद्यालय का भव्य भूमि पूजन का कार्यक्रम सम्पन हुआ। जिसमे विद्यालय के संरक्षक कृष्ण चंद्र तिवारी के द्वारा भूमि पूजन किया गया। मुख्य रूप से डॉ ज्ञान प्रकाश मिश्रा, प्रभात जिला प्रचारक, डॉ विनय त्रिपाठी, अतुल द्विवेदी, सुरेश कुमार सिंह, रामपाल पूर्व (आईपी यस अधिकारी), पूर्व शिक्षक ब्रमदेव तिवारी, सौरभ पाण्डेय, विषभर दुबे, पूर्व प्रधान मनोज कुमार सिंह, शिक्षक अग्निमित्र त्रिपाठी , पंकज त्रिपाठी, अधिवक्ता मोहित द्विवेदी, अनिल दुबे, आशु मिश्रा , शिक्षक अशोक तिवारी, समाजसेवी अभिषेक मिश्रा प्रिंश, प्रधान भोलाशंकर गुप्ता सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। यह जानकारी अनिल दुबे ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।